राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 23 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-296 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एअर इंडिया प्लेन का एक इंजन हवा में बंद

■ दूसरे इंजन से दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

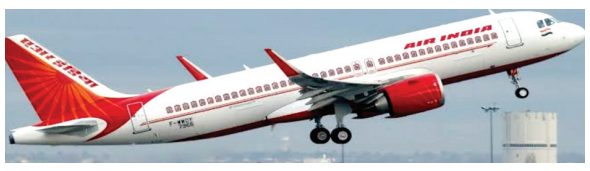

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट को 40 मिनट में ही इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बोइंग 777-300एफ AI887 फ्लाइट का दाहिना इंजन टेक-ऑफ के बाद बंद हो गया। उसमें ऑइल प्रेशर जीरो हो गया था। इसके चलते उसे दिल्ली एयरपोर्ट लौटना पड़ा। प्लेन ने सुबह 6:10 बजे AI 887 के रूप में मुंबई के लिए उड़ान भरी थी और 6.52 पर यह वापस आ गया। हालांकि 2 इंजन वाले प्लेन एक इंजन के जरिए भी सुरक्षित लैंड कर सकते हैं। इसलिए इसे तुरंत ही लौटाने का फैसला लिया गया। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradar24.com के मुताबिक टेक-ऑफ के बाद लगभग एक घंटे तक हवा में थी। विमान में लगभग 335 लोग सवार थे। इन सभी को दूसरे विमान से भेजे जाने की व्यवस्था की गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया की फ्लाइट AI-887 की घटना पर एक्शन लिया है, जिसमें टेक-ऑफ के तुरंत बाद तकनीकी खराबी आई थी। मंत्रालय ने एअर इंडिया से एक डिटेल्ड रिपोर्ट मांगी है। साथ ही DGCA को पूरी जांच करने का निर्देश दिया है।

बांग्लादेश में हसीना विरोधी एक और नेता पर हमला

■ घर में घुसकर गोली मारी, कान के आर-पार निकली

एजेंसी

ढागा। बांग्लादेश में शेख हसीना विरोधी एक और नेता पर हमला हुआ है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खुलना में सोमवार दोपहर 12 बजे नेशनल सिटिजन्स पार्टी (NCP) के नेता मोहम्मद मोतालेब शिकदर को घर में घुसकर गोली मार दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमलावरों ने सीधे मोतालेब के सिर को निशाना बनाकर फायरिंग की। वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें उठाकर खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, शुरूआत में उनकी हालत काफी नाजुक थी, लेकिन डॉक्टरों ने बाद में बताया कि अब वह खतरे से बाहर हैं। पुलिस अधिकारी अनिमेष मंडल ने कहा कि गनीमत रही कि गोली दिमाग तक नहीं पहुंची, जिससे उनकी जान बच गई। मोतालेब शिकदर NCP के खुलना डिवीजन के प्रमुख हैं और पार्टी से जुड़े मजदूर संगठन NCP श्रमिक शक्ति के आयोजक भी हैं। उन पर हुए इस हमले से इलाके में दहशत फैल गई है। NCP खुलना में एक मजदूर रैली आयोजित करने वाली थी।

"कोडिन वालों पर बुलडोजर चले तो चिल्लाना नहीं"

सीएम योगी ने दिया जवाब, बोले - एक भी मौत नहीं हुई

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोडिन कफ सिरप मामले पर यूपी विधानसभा में जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है। इस मामले में एनडीपीएस के अंतर्गत कार्रवाई होगी, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को कोर्ट में लड़ा और जीता है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर चुटकी लेते हुए कहा कि इस उम्र में व्यक्ति सच बोलने का आदी होता है, लेकिन समाजवादी इस उम्र में भी उनसे झूठ बोलवा देते हैं। समाजवादियों को ऐसा नहीं करना चाहिए और उन्हें भी सच बोलने का आदी होना चाहिए। उन्होंने लंबे समय तक स्पीकर के रूप में सदन को आगे बढ़ाया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की कार्रवाई की जानकारी भी सदन में रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले में अब तक 79 अभियोग दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें 225 अभियुक्त नामजद हैं। 78 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है और 134 फर्मों पर छापेमारी की कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा कि मामले की गहराई में जाएंगे तो बार-बार यही तथ्य सामने आता है कि कहीं न कहीं समाजवादी पार्टी से जुड़ा कोई नेता या व्यक्ति इसमें संलिप्त पाया जाता है। अवैध लेन-देन भी लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ है। एसटीएफ पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के

अंतर्गत मुकदमा चलाने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने इस लड़ाई को पूरी मजबूती से लड़ा है और इसमें सफलता भी प्राप्त की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले में कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। सीएम ने बुलडोजर एक्शन को लेकर समाजवादी पार्टी पर तंज कसा। कहा कि चिंता मत कीजिए, समय आने पर बुलडोजर एक्शन की पूरी तैयारी रहेगी, उस समय चिल्लाइएगा नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे हों या एडल्ट, बिना चिकित्सीय परामर्श के कोई भी इसका सेवन नहीं कर सकता। खांसी होने पर हर कोई कफ सिरप लेता है, लेकिन चिकित्सीय परामर्श से। उस पर यह अंकित भी होता है, लेकिन समाजवादी पार्टी के लोगों का पढ़ाई-लिखाई से कोई वास्ता है नहीं, इसलिए आप लोग ऐसी बाते करते हैं। सीएम योगी ने सदन में कहा कि उत्तर प्रदेश में यूपी के सबसे बड़े होलसेलर को एसटीएफ ने पकड़ा था। 2016 में समाजवादी पार्टी ने उसे लाइसेंस जारी किया था। सीएम ने कहा कि देश में दो नमूने हैं। एक दिल्ली व दूसरा लखनऊ में बैठता है। जब देश में कोई चर्चा होती है तो वह देश छोड़कर भाग जाते हैं। यही आपके बबुआ के साथ भी हो रहा है। आप चिल्लाते रहेंगे और बबुआ सैरसपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे।

अरावली पर्वत बचाने के लिए आंदोलन, जोधपुर में लाठीचार्ज

राजस्थान के कई शहरों में पुलिस-प्रदर्शनकारी भिड़े, सीकर में हर्ष पर्वत पर चढ़े लोग

एजेंसी

सीकर। राजस्थान में अरावली पर्वत श्रंखला में खनन को मंजूरी मिलने से नाराज लोगों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। कांग्रेस और सामाजिक संगठनों के लोगों की उदयपुर कलेक्ट्रेट में पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। यहां पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को अरेस्ट भी कर लिया। सीकर में 945 मीटर ऊंचाई पर स्थित हर्ष पर्वत पर प्रदर्शन किया गया। अलवर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- राजस्थान के लिए अरावली फेफड़े के समान है। इस फैसले को वापस लेना होगा, नहीं तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। जोधपुर में एनएसयूआई कार्यकर्ता प्रदर्शन के दौरान बेरिकेड्स पर चढ़ गए। पुलिस ने लाठी चलाकर भीड़ को खदेड़ा। 20 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार जमीन से

100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भू-आकृति को ही अरावली पहाड़ी माना जाएगा। इस मानक से अरावली की 90% से ज्यादा पहाड़ियां संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगी। इस फैसले के बाद अरावली को बचाने की आवाजें तेज हो गई। उदयपुर में कई संगठन कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर अरावली बचाने के लिए एकजुट हुए। कांग्रेस कार्यकर्ता, करणी सेना, फाइनेंस ग्रुप और कई समाजों के लोगों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लिया जाए, नहीं तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। इस बीच कलेक्ट्रेट पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई। अलवर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अरावली राजस्थान का फेफड़ा है। सरकार इसे खत्म करना चाहती है। मैं चैलेंज करता हूं, इस अरावली को खत्म नहीं होने देंगे। सीकर में पर्यावरण प्रेमी पवन ढाका ने कहा कि इंसान को निकालकर उसके घर को तोड़ दिया जाए, तो वह कहां पर जाएगा। इंसान तो फिर भी कोई झोपड़ी बना लेगा, लेकिन यह जीव-जंतु क्या करेंगे। अरावली को बचाने के लिए हाड़ौती पर्यावरण संरक्षण समिति व चंबल बचाओ अभियान समिति ने कोटा में आंदोलन की चेतावनी दी है। आंदोलन की रूप रेखा तैयार करने को लेकर दोनों संगठनों ने मंगलवार को किशोर सागर तालाब स्थित बारादरी पर पर्यावरण प्रेमियों मीटिंग बुलाई है। चंबल बचाओ अभियान समिति के कुंदन चीता ने कहा कि 4 राज्यों की जीवन रेखा अरावली पर्वतमाला से चलती है। कोर्ट के फैसले के बाद 100 मीटर के नीचे वाले हिस्से को काटा जाएगा। हम पर्यावरण को उजड़ता हुआ नहीं देखना चाहते। देश का हर नागरिक व पर्यावरण प्रेमी इस बात से दुखी है। कोटा की धरती पर कल से आंदोलन का आगाज होगा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- अरावली मामले में इनके डेथ वारंट पर साइन हैं, पूरी बीजेपी को भुगतना पड़ेगा। माना कि राजस्थान की जनता भोली है, चुनाव जिता सकती है, लेकिन इतनी ताकतवर भी है कि अरावली को बचा सकती है।

पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने खुद को मारी गोली

■ 12 पन्नों का सुसाइड नोट, 8.10 करोड़ की ठगी का जिक्र

एजेंसी

पटियाला। पंजाब पुलिस के पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने खुद को गोली मार ली है। उन्हें तुरंत पटियाला के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। एसपी सिटी पलविंदर सिंह चीमा के मुताबिक मौके से पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक पूर्व आईजी को छाती में गोली लगी है। यह भी बताया जा रहा है कि मामला करोड़ों की साइबर ठगी से जुड़ा है। उन्होंने पटियाला में अपने घर पर खुद को गोली मारी है। पूर्व पुलिस अधिकारी द्वारा ऐसा खौफनाक कदम उठाए जाने की घटना से हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने 12 पन्नों का सुसाइड नोट लिखा है। यह नोट उन्होंने पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव कपूर के नाम लिखा है, जिसमें उन्होंने अपने साथ 8.10 करोड़ की साइबर ठगी की बात लिखी है और

इस वजह से वह मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने खुद को गोली सुरक्षा कर्मी की रिवाल्वर से मारी है। अब इस पूरे मामले में पटियाला पुलिस जांच में जुट गई है। अस्पताल में पहुंचे एसपी (सिटी) पलविंदर सिंह चीमा ने बताया कि पूर्व आईजी के दोस्तों ने पुलिस के साथ एक नोट साझा किया था, जिससे आशंका थी कि चहल आत्महत्या कर सकते हैं। इस जानकारी के आधार पर संबंधित थाना प्रभारी और डीएसपी तुरंत पूर्व आईजी के घर पहुंचे। जहां वह घायल हालत में पड़े थे, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल दाखिल कराया गया है। फिलहाल उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की ओर से उनका सिटी स्कैन किया जा रहा है।

'चुनाव आयोग केवल भाजपा के इशारे पर काम कर रहा', केंद्र पर बरसीं सीएम ममता

एजेंसी

कोलाकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कोलकाता में आयोजित पार्टी बैठक में ममता ने कहा कि चुनाव आयोग अब स्वतंत्र संस्था की तरह काम नहीं कर रहा, बल्कि भाजपा के निदेर्शों पर चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची तैयार करने में भारी स्तर पर गलतियां हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया जानबूझकर की जा रही है ताकि

खास समुदायों के वोट छीने जा सकें। उन्होंने ने साफ चेतावनी दी कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जो पार्षद और पार्टी कार्यकर्ता निष्क्रिय रहेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बूथ स्तर के एजेंटों को सतर्क रहने और मतदाताओं की रक्षा करने का निर्देश दिया। ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि मटुआ समुदाय के मताधिकार को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए प्रशासनिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। ममता ने केंद्र से भेजे गए माइक्रो ऑब्जर्वरों की नियुक्ति पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों को स्थानीय भाषा और हालात की समझ नहीं है, जिससे आम मतदाताओं को परेशानी हो रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ एक चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है।

वडोदरा: शर्ट ने बचाई युवक की जान: कार की टक्कर से उछलकर ब्रिज के नीचे गिरा

एजेंसी

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में एक सड़क हादसे में एक युवक की जान बाल-बाल बच गई। दरअसल, रविवार को नंदेसरी ब्रिज से गुजर रहे मोपेड सवार सिद्धराज सिंह महिदा को एक कार ने पीछे से टक्कर मार दी थी। सिद्धराज उछलकर ब्रिज की दीवार पर गिर गया। सिद्धराज ब्रिज से नीचे गिरने वाले थे कि तभी उनकी शर्ट खंभे में फंस गई। इस दौरान 20 फुट ऊंचे ब्रिज पर लटके सिद्धराज को लोगों ने बचा लिया। उन्हें मामुली चोटें आईं। हादसे का वीडियो सामने आया है, जो अब वायरल हो रहा है। आणंद जिले के अदास गांव में

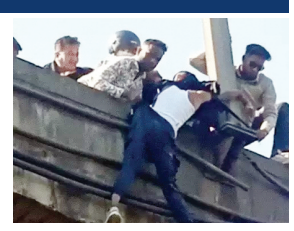

रहने वाले सिद्धराज सिंह महिदा (20 साल) रविवार को मोपेड से वडोदरा आ रहे थे। इसी दौरान नंदेसरी पुल पर हादसे का शिकार हो गए। उनकी मोपेड को एक कार ने पीछे टक्कर मार दी थी। कार चालक टक्कर मारकर फरार हो गया। सिद्धराज को बचाने वाले अश्विन सोलंकी ने बताया- मैं अपने पिता के साथ वडोदार जा रहा था। इसी दौरान नंदेसरी ब्रिज पर मैंने ये हादसे देखा।

पारंपरिक चिकित्सा सिर्फ घरेलू इलाज नहीं, दुनिया देगी मान्यता

दिल्ली घोषणापत्र पर सभी देश सहमत

एजेंसी

नई दिल्ली। पारंपरिक चिकित्सा को लेकर अब तक जो बातें मंचों और घोषणाओं तक सीमित रहीं, उन्हें दिल्ली घोषणापत्र ने ठोस दिशा दी है। नई दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दूसरे ग्लोबल समिट ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन के समापन पर अपनाई गई इस घोषणा पर सभी सदस्य देशों की सहमति बनी है इसका साफ संदेश है कि आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, लोक और आदिवासी चिकित्सा अब केवल घरेलू नुस्खों या वैकल्पिक उपचार के तौर पर नहीं बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली के जिम्मेदार हिस्से के रूप में देखी जाएगी। घोषणापत्र में कहा है कि दुनिया की बड़ी आबादी आज भी आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, लोक चिकित्सा और पारंपरिक उपचार पद्धतियों पर निर्भर है, लेकिन अब तक इन्हें वैज्ञानिक शोध, सरकारी नीतियों और स्वास्थ्य सेवाओं में वह जगह नहीं मिल पाई, जिसकी जरूरत थी। इस कमी को दूर करने के लिए देशों ने मिलकर ठोस कदम उठाने पर सहमति जताई है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, अब यह साफ संदेश गया है कि पारंपरिक चिकित्सा सिर्फ अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों का भी अहम हिस्सा बनने जा रही है। दो साल पहले डब्ल्यूएचओ का पारंपरिक चिकित्सा को लेकर पहला वैश्विक सम्मेलन भी भारत के जामनगर में हुआ। उस वक्त गुजरात घोषणापत्र में जहां पारंपरिक चिकित्सा के महत्व को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया वहीं अब दिल्ली में रिसर्च, नियम, गुणवत्ता और सुरक्षा जैसे व्यावहारिक सवालों के जवाब दिए गए हैं। दिल्ली डिक्लेरेशन का एक अहम पहलू आदिवासी और स्वदेशी चिकित्सा से जुड़ा है। अब तक यह ज्ञान या तो अनदेखा रहा या फिर उसे झोलाछाप इलाज कहकर खारिज कर दिया गया। घोषणा में कहा है कि आदिवासी समुदायों के पारंपरिक ज्ञान पर वैज्ञानिक अध्ययन किए जाएंगे, लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उनके अधिकार, पहचान और लाभ-साझेदारी सुरक्षित रहे। इसका मतलब यह नहीं है कि हर पारंपरिक दावा मान लिया जाएगा, बल्कि यह कि जो प्रभावी है, उसे प्रमाणित किया जाएगा, और जो खतरनाक या भ्रामक है, उस पर रोक लगेगी।

दिल्ली डिक्लेरेशन के अहम फैसले पारंपरिक चिकित्सा को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों से जोड़ा जाएगा, इलाज के तरीकों पर वैज्ञानिक शोध और सबूत जुटाए जाएंगे, दवाओं और उपचारों की सुरक्षा व गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी, फर्जी दावों और असुरक्षित प्रथाओं पर नियंत्रण किया जाएगा, आदिवासी और स्वदेशी समुदायों के ज्ञान और अधिकारों का सम्मान होगा, पारंपरिक चिकित्सा को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के रूप में विकसित किया जाएगा।

फास्टैग से पार्किंग से लेकर पेट्रोल तक का होगा पेमेंट

सड़क परिवहन मंत्रालय ला रहा योजना, 6 महीने का ट्रायल सफल रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय फास्टैग को मल्टीपर्पस बनाने की तैयारी में है। इसके तहत अब पार्किंग से लेकर पेट्रोल तक का पेमेंट फास्टैग से कर सकेंगे। इसके लिए छह महीने से जारी ट्रायल सफल रहा है। इसका उद्देश्य है कि फास्टैग का उपयोग सिर्फ टोल भुगतान तक सीमित न रहे, बल्कि यात्रा के दौरान सड़क से इतर मिलने वाली सुविधाओं के भुगतान में भी हो। अधिकारियों ने कहा- इससे डिजिटल फ्रॉड की आशंका कम होगी। यूजर फास्टैग को वॉलेट की तरह इस्तेमाल कर सकेंगे, जिससे धोखाधड़ी की स्थिति में नुकसान कम हो।

किन सुविधाओं के लिए होगा इस्तेमाल-इस बदलाव को लेकर फिनटेक कंपनियां, पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स, बैंक और टोल ऑपरेटर्स की बैठक हो चुकी है। इसमें इन चीजों के लिए सहमति बनी- टोल- पेट्रोल पंप, ईवी चार्जिंग, फूड आउटलेट, वाहन मेंटेनेंस, सिटी एंट्री चार्ज। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (CPRO) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि दिल्ली मंडल रेल प्रबंधक (DRM) पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में

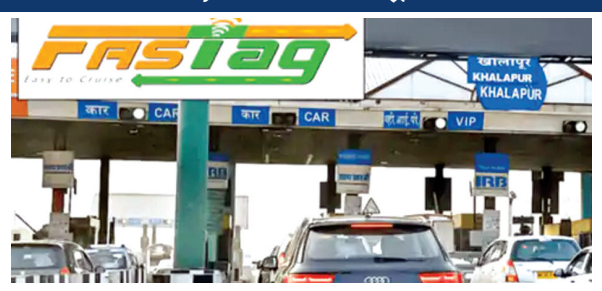

एक नई पॉलिसी तैयार की गई है। इससे स्टेशन पर आने-जाने वाले गेट पर जाम और ज्यादा पैसे वसूलने की समस्या लगभग समाप्त हो जाएगी। योजना लागू होने के बाद नई दिल्ली स्टेशन पर पार्किंग शुल्क का भुगतान फास्टैग के माध्यम से होगा। अनुमान है कि लगभग 80 प्रतिशत वाहन स्टेशन कैम्पस में यात्रियों को ड्रॉप या पिक करके तुरंत निकल जाएंगे। शुल्क स्वतः कटने के कारण ठेकेदार और वाहन मालिकों के बीच ज्यादा पैसे वसूलने को लेकर होने वाले विवाद खत्म हो जाएंगे। पार्किंग और यातायात संचालन के लिए पहली बार ह्यएक्स-आर्मी मैनह्ल को मार्शल के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इससे निजी सुरक्षाकर्मियों द्वारा यात्रियों से होने वाली बदसलूकी की शिकायतों पर लगाम लगेगी। सेना के जवानों के अनुभव और प्रशिक्षण का लाभ आतंकी गतिविधियों की रोकथाम और सामान्य सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मिलेगा। क्या है नई पॉलिसी? दिल्ली मंडल की इस नई नीति के तहत टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। नई कंपनी 28 दिसंबर को पार्किंग मैनेजमेंट का कार्यभार संभाल लेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व में शांति स्थापित करने हेतु भारतीय संस्कृति का उत्थान आवश्यक है

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

कहा जाता है कि सतयुग में समाज पूर्णतः एकरस था और उस समय के समाज में भारतीय संस्कृति की झलक स्पष्टतः दिखाई देती थी। एक कहानी के माध्यम से इस बात को बहुत आसानी से समझा जा सकता है। सतयुग के खंडकाल में एक किसान ने अपनी जमीन बेची। जिस व्यक्ति ने वह जमीन खरीदी थी, उसे, उस जमीन की खुदाई के दौरान सोने के सिक्कों से भरा हुआ एक घड़ा मिला। उस घड़े को लेकर वह किसान जमीन के विक्रेता के पास पहुंचा और बोला कि आपकी जमीन में से यह सोने के सिक्कों से भरा हुआ घड़ा मिला है, चूंकि मैंने आपसे केवल जमीन खरीदी है अतः इन सोने के सिक्कों पर मेरा अधिकार नहीं है और आप यह घड़ा अपने पास रख लें, सोने के इन सिक्कों पर आपका अधिकार है। जमीन के विक्रेता ने सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेने से यह कहकर साफ इनकार कर दिया कि मैंने तो वह जमीन आपको बेच दी है, अतः बाद में उस जमीन से जो भी वस्तु आप प्राप्त करते हैं उस पर आपका ही अधिकार हैं।

उस वस्तु पर मेरा अधिकार कैसे हो सकता है? जब उस जमीन के क्रेता एवं विक्रेता के बीच कोई समझौता नहीं हो सका तो वे सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेकर अपने राज्य के राजा के पास पहुंचे और दोनों ने राजा को पूरी बात बताई तथा राजा से आग्रह किया कि सोने के सिक्कों को राजा साहब राज्य के खजाने में जमा करा दें। राजा ने भी सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को राज्य के खजाने में जमा करने से यह कहकर इंकार कर दिया कि राज्य के नियमों में इस प्रकार का कोई प्रावधान नहीं है कि बगैर किसी उचित कारण के प्राप्त धन को राज्य के खजाने में जमा कर दिया जाय। इस सम्बंध में जो नियम निर्धारित हैं उन नियमों के आधार पर यह सोने के सिक्के राज्य के खजाने में जमा नहीं किये जा सकते हैं। ऐसा था, सतयुग का खंडकाल। जो वस्तु हमारी नहीं है उस वस्तु को हम कैसे अपने पास रख सकते हैं? प्रत्येक नागरिक इस भावना के साथ समाज में एकरस भाव से रहता था।

सतयुग के बाद आया त्रेतायुग, इस युग में समाज में समरसता के भाव में कुछ कमी दिखाई दी थी। जैसे एक समाज (दानव) के राजा रावण ने दूसरे समाज (देव) की माता सीता का अपहरण किया और अपने राज्य में कैद कर लिया। प्रभु श्रीराम ने आदिवासियों और वानरों के समूह को एक कर, इन सभी में समरसता का भाव जागृत करते हुए, रावण के राज्य पर आक्रमण किया एवं माता सीता को उस राज्य के चंगुल से छुड़ाकर सकुशल अयोध्या लाने में सफल हुए। प्रभु श्रीराम ने त्रेतायुग में यह संदेश दिया कि सर्व समाज यदि संगठित रहता है तो किसी भी बुराई से पार पाया जा सकता है। अतः त्रेतायुग में संगठन की महत्ता सिद्ध हुई थी।

त्रेतायुग के बाद द्वापर युग आया, इस खंडकाल में तो समाज क्या, बल्कि दो परिवारों के बीच की एकता भी समाप्त हो चुकी थी। कौरव परिवार ने अपने ही पांडव भाईयों को केवल 5 गांव देने से साफ इंकार कर दिया। जिसके कारण आगे चलकर कौरव एवं पांडवों की बीच महाभारत युद्ध हुआ। आज के खंडकाल कलयुग की तो बात ही निराली है। आज पश्चिमी जगत में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने सुख के लिए ही कार्य करता हुआ दिखाई देता है। परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति जैसे उसकी कोई जिम्मेदारी ही नहीं है। आज कलयुग में नागरिक अपने आप में केंद्रित हो गए हैं एवं उन्हें परिवार, समाज, राष्ट्र आदि के प्रति किसी जिम्मेदारी का भाव जागृत ही नहीं होता।

भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता को अति महत्व दिया गया है। अतः स्वयं के साथ, परिवार, समाज, नगर, राष्ट्र एवं पूरे विश्व को समता के भाव के साथ देखा जाता है। पूरी सृष्टि ही हमारा परिवार है, इस भावना को 'वसुधैव कुटुंबकम'; 'सर्वे भवंतु सुखिनढ्ढ'; 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' के माध्यम से झलकाया जाता है। पूरे विश्व में आज अशांति का माहौल है, कई देश आपस में लड़ रहे हैं तथा कई देशों के अंदर विभिन्न मत पंथों को मानने वाले नागरिक आपस में मार काट मचाए हुए हैं।

भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता को अति महत्व दिया गया है। अतः स्वयं के साथ, परिवार, समाज, नगर, राष्ट्र एवं पूरे विश्व को समता के भाव के साथ देखा जाता है। पूरी सृष्टि ही हमारा परिवार है, इस भावना को 'वसुधैव कुटुंबकम'; 'सर्वे भवंतु सुखिनढ्ढ'; 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' के माध्यम से झलकाया जाता है। पूरे विश्व में आज अशांति का माहौल है, कई देश आपस में लड़ रहे हैं तथा कई देशों के अंदर विभिन्न मत पंथों को मानने वाले नागरिक आपस में मार काट मचाए हुए हैं। ऐसे गम्भीर समय में केवल और केवल भारतीय संस्कृति ही इस पूरे विश्व में शांति का माहौल पुनः स्थापित कर सकती है।

विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी में सेवा कार्य में संलग्न आदरणीय दीदी निवेदिता रघुनाथ भिड़े ने 'भारतीय संस्कृति – चुनौतियां एवं सम्भावनाएं' नामक पुस्तक में भारतीय संस्कृति के बारे में जीवन दर्शन की व्याख्या करते हुए बताया है कि 'जिस ज्ञान के द्वारा साधक विभक्त प्राणियों में विभाग रहित एक अविनाशी भाव को देखता है, उस ज्ञान को सात्विक ज्ञान कहा गया है। भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन या जीवन दृष्टि सात्विक ज्ञान से निर्धारित हुई है। ईश्वर, मानव, सृष्टि अलग अलग नहीं है। अतः भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन एकात्म है।' इसके विपरीत, जिस ज्ञान के द्वारा मनुष्य सम्पूर्ण प्राणियों में अलग अलग अनेक भावों को अलग अलग रूप से जानता है, इस ज्ञान को राजस ज्ञान कहा गया है। क्रिशिचियन एवं इस्लाम पंथ इसी ज्ञान से प्रेरित है। साथ ही, जिस ज्ञान के द्वारा मनुष्य एक कार्य (शरीर) में ही आसक्त हो जाता है, मानों वह (कार्य ही) सब कुछ हो तथा जो (ज्ञान) हेतुरहित (आयुक्तिक), तत्तवार्थ से रहित तथा संकुचित (अल्प) है, वह (ज्ञान) तामस है। पूंजीवाद, कम्युनिजम, नक्सलवाद, साम्यवाद, मार्कस्वाद और माओवाद का जीवन दर्शन तामसिक ज्ञान से प्रेरित है।

उक्तवर्णित पुस्तक में यह भी बताया गया गई कि उक्त जीवन दर्शन के आधार पर ही राष्ट्र में जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्मित होते हैं, जिनका अनुपालन उस राष्ट्र के नागरिक करते हैं। भारतीय संस्कृति के कुल 12 जीवन मूल्य बताए गए हैं – (1) सभी के प्रति आदर एवं सम्मान का भाव रखना; (2) प्रत्येक जीव को ईश्वर का रूप माना जाना; (3) इष्टदेव अर्थात ईश्वर अपने अंतःकरण में खोज का विषय है, अतः ईश्वर को बाहर खोजने के स्थान पर अपने अंदर खोजा जाना; (4) विविधता में एकता मानी गई है, जिसके चलते ही सर्व समाज एकरस रहने का प्रयास करता है; (5) चतुर्विध पुरुषार्थ – धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष, अर्थात काम एवं अर्थ सम्बंधी गतिविधियों को धर्म के आधार पर सम्पन्न किया जाता है एवं अंत में मोक्ष प्राप्ति की अपेक्षा की जाती हैः (6) महिलाओं का सम्मान – भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को देवी का दर्जा दिया जाता है; (7) उदार एवं समावेशक – शक, हूण, कुषाण, पारसी, यहूदी आदि अन्य देशों से भारत में आए एवं भारत के ही होकर रह गए, भारतीय संस्कृति के संस्कारों को उन्होंने अपने आप में आत्मसात कर लिया। यह केवल भारत में ही सम्भव है; (8) कर्म सिद्धांत – इस मानव जन्म में किए गए कर्मों के आधार पर ही मोक्ष की प्राप्ति अथवा 84 लाख योनियों के चक्र में फिर से फंसने की सम्भावना के बारे में निर्णय होता है; (9) अवतार की संकल्पना – इस धरा पर जब जब पापों का घड़ा भर जाता है तब तब ईश्वर इस धरा पर अवतार लेकर अवतरित होते हैं; (10) आध्यात्म विश्वास में नहीं, अनुभूति में और होने में है; (11) यज्ञ का महत्व – समाज की सेवा के माध्यम से भी यज्ञ सम्पन्न किया जा सकता है, अन्य कई प्रकार के यज्ञों का वर्णन भी भारतीय संस्कृति में मिलता है; (12) आत्म संयम – अपना जीवन संयम के साथ जीने की कला भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों में शामिल है, इसके अंतर्गत किसी अन्य प्राणी का अहित करने के बारे में तो कभी सोचा भी नहीं जाता है।

भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन के आधार पर जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्धारित होते हैं और इसके बाद समाज की जीवन व्यवस्था भी निर्धारित हो जाती है। भारत में समस्त सांस्कृतिक विधियां, प्रथाएं, पद्धतियां एवं परम्पराएं जीवन व्यवस्था के भाग मानी जाती हैं। कुलधर्म, जातिधर्म, समाजधर्म, पंच महायज्ञ, चार आश्रम, चार वर्ण, जाति व्यवस्था, भारतीय शिक्षा पद्धति भी भारतीय संस्कृति में जीवन व्यवस्था का भाग ही माने जाते हैं। मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का बहुत प्रयास किया गया था।

इस खंडकाल में भारतीय नागरिक अपनी महान परम्पराएं भूल गए थे। इसी खंडकाल में वैश्विक स्तर पर ग्रीक, रोमन, फारसी, मिस्त्र जैसी कई संस्कृतियां विलुप्त हो गईं परंतु भारतीय संस्कृति अभी भी कायम है और मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं किया जा सका है। इन्हीं कारणों के चलते अब यह कहा जा रहा है कि समस्त विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति का उत्थान अति आवश्यक है।

संपादकीय

जानलेवा आबोहवा

देश-दुनिया में दिल्ली में प्रदूषण को लेकर भारी चिंता है, लेकिन यह सिर्फ दिल्ली का ही संकट नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरियाणा, उ.प्र. व राजस्थान के कई शहर भी प्रदूषणग्रस्त हैं। इसके अलावा लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, पटना, मुजफ्फरपुर, कानपुर व देश के अन्य शहरों में भी प्रदूषण संकट आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा है। हालांकि, इन शहरों में संकट दिल्ली जैसा नहीं है, लेकिन पूरे देश के लिए दीर्घकालीन योजना बनाने की जरूरत तो है। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में तीसरे स्थान पर आने वाली दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक का 450 के आसपास बना रहना, निश्चय ही खतरे की घंटी है। दिल्ली सरकार द्वारा उत्सर्जन मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के शहर में प्रवेश पर रोक, दफ्तरों में वर्क फॉम-होम, स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई, तोड़फोड़ व निर्माण पर रोक के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। इसी बीच, चीन के दूतावास ने दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण में मदद की पेशकश की है। चीनी दूतावास की एक प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट में स्क्रीनशॉट साझा किया है, जिसमें दिल्ली में एक्यूआई 447 व बीजिंग में 67 दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, भारत व चीन दोनों ही तीव्र शहरीकरण की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन चीन ने योजनाबद्ध ढंग से उस परिदृश्य को दूर किया है, जिसमें चीन के तमाम शहर सर्दियों में स्मॉग से ढके रहते थे। हालांकि, साम्यवादी चीन व लोकतांत्रिक भारत में नीतियों के क्रियान्वयन में मूलभूत अंतर है। फिर भी चीन की सफलता से सीखा जा सकता है। चीन ने पिछले दो दशकों में आक्रामक ढंग से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाया। वाहन उत्सर्जन पर नियंत्रण किया। लाइसेंस प्लेट लॉटरी व ऑड-ईवन से सड़कों पर वाहनों को कम किया। उसने बड़े मेट्रो-बस नेटवर्क को बढ़ाकर सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाया। करीब तीन हजार के करीब भारी उद्योगों को बीजिंग व आसपास के शहरों से हटाया गया। एक बड़ी स्टील कंपनी को हटाने से घातक कणों में बीस फीसदी की कमी आई। सबसे अधिक जोर कोयले पर आधारित बिजली संयंत्रों व उद्योगों पर रोक लगाने में लगा। इसके अलावा, निर्माण स्थलों पर धूल-रोधी जाली लगाने, पानी के छिड़काव-सफाई, किसानों को पराली भत्ता देने व प्रदूषण के पीक समय में निर्माण पर रोक जैसे कदम उठाए। वहां पौधारोपण को बढ़ावा दिया गया। निस्संदेह, बीजिंग व दिल्ली की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन बीजिंग मॉडल पर विचार होना चाहिए। दरअसल, दिल्ली की भौगोलिक परिस्थिति बीजिंग से भिन्न है, दिल्ली लैंडलॉक्ड क्षेत्र है, आसपास समुद्री इलाका भी नहीं है। लेकिन कोयला आधारित संयंत्रों को बंद करने, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने तथा औद्योगिक संस्थानों को राजधानी की सीमा से बाहर किया जाना चाहिए। इस कार्य के लिए विशेष बजट की भी व्यवस्था हो। चिंता की बात यह भी है कि दिल्ली की तीन सौ किमी की परिधि में ग्यारह कोयला आधारित पॉवर प्लांट्स हैं, जिन्हें सर्वाधिक प्रदूषण का स्रोत माना जाता है। बहरहाल, दीर्घकालिक नीति बनाने व फैसलों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है।

परमाणु ऊर्जा में जरुरी है इसका सही इस्तेमाल

(लेखक- संजय गोस्वामी)

परमाणु ऊर्जा बिजली उत्पादन के लिए एक जरुरी आवश्यकता है लेकिन शांति में शरारत भी छिपा है युद्ध में इस्तेमाल किया गया पहला परमाणु हथियार, जिसका कोड-नाम लिटिल बॉय था, 6 अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा शहर पर गिराया गया था। इस हथियार में यूरेनियम 235 था और इसे गन-असेंबली तकनीक का इस्तेमाल करके डेटोनेट किया गया था। यह बम 10 फीट लंबा था, इसका वज़न 8,900 पाउंड था, और इसने लगभग 10 से 15 किलोटन का धमाका किया। 1,900 फीट की ऊंचाई पर फटने से, इसने शहर के केंद्र में एक आग का तूफान पैदा कर दिया जो कई दिनों तक जलता रहा और हिरोशिमा के 350,000 निवासियों में से लगभग 69,000 लोगों को मार डाला। बाईस हज़ार और लोग धमाके के असर से जल्द ही मर गए और अगले हफ़्तों और महीनों में रेडिएशन के असर से 30,000 और लोग मारे गए। तीन दिन बाद, नागासाकी शहर फैट मैन का निशाना बना। इस हथियार ने अपने विनाशकारी असर पैदा करने के लिए प्लूटोनियम और इम्प्लोजन तकनीक का इस्तेमाल किया। यह और लिटिल बॉय दोनों फिशन हथियार थे, जो यूरेनियम या प्लूटोनियम जैसे अस्थिर भारी परमाणुओं के नाभिक को तोड़कर ऊर्जा पैदा करते थे। प्रतिक्रिया का एक हिस्सा ऊर्जा में बदल जाता है, और अगर यह काफी तेज़ी से होता है, तो इसका नतीजा परमाणु विस्फोट होता है। फैट मैन को 1,650 फीट की ऊंचाई पर डेटोनेट किया गया था और इसकी क्षमता लगभग 22 किलोटन थी; इसके असर से लगभग 70,000 लोग मारे गए।इस पर रिसर्च और डेवलपमेंट जारी रहा और भौतिकविदों ने फ्यूजन की अवधारणा पर प्रयोग करना शुरू किया, जो रेडियोधर्मी हाइड्रोजन आइसोटोप जैसे हल्के परमाणुओं का संयोजन है। इन प्रयोगों का नतीजा हाइड्रोजन बम था, जिसमें ट्रिगर के रूप में फिशन डिवाइस का इस्तेमाल किया गया था, जिसकी शक्ति हिरोशिमा पर गिराए गए फिशन प्रकार के बम से सैकड़ों गुना ज़्यादा थी। परमाणु हथियार अब तक बनाए गए परमाणु हथियारों में फिसाइल सामग्री के रूप में यूरेनियम 235 या प्लूटोनियम 239 आइसोटोप का इस्तेमाल किया गया है। फिशन प्रतिक्रिया शुरू करने के लिए, इन सामग्रियों का इतना बड़ा द्रव्यमान एक साथ रखना ज़रूरी है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अंदर के उच्च-ऊर्जा न्यूट्रॉन कण द्रव्यमान की सतह से बाहर न निकलें, बल्कि सामग्री के अंदर अन्य भारी परमाणुओं से टकराएं, जिससे वे और न्यूट्रॉन छोड़ें और एक चेन रिएक्शन शुरू हो जाए। सामग्री की सबसे कम मात्रा जो ऐसा कर सकती है, उसे क्रिटिकल मास कहा जाता है। यह मात्रा इस्तेमाल की गई सामग्री की शुद्धता और घनत्व और बम की भौतिक विशेषताओं पर निर्भर करती है। इसके अलावा, यदि यह प्राकृतिक यूरेनियम जैसी परावर्तक धातु से घिरा होता है, तो अधिक न्यूट्रॉन सामग्री में वापस उछलते हैं, जिससे क्रिटिकल मास कम हो जाता है और इस प्रकार समान विस्फोटक उपज प्राप्त करने के लिए आवश्यक सामग्री की मात्रा कम हो जाती है।38 परमाणु विस्फोट के तात्कालिक प्रभाव विस्फोट, गर्मी और विकिरण हैं। प्रत्येक का प्रभाव किस हद तक होता है, यह हथियार के आकार और प्रकार और इसे इस्तेमाल करने के तरीके (ग्राउंड बर्स्ट, एयर बर्स्ट, वॉटर बर्स्ट, आदि) पर निर्भर करता है। एक सामान्य मामले में, लगभग आधी ऊर्जा विस्फोट के रूप में, एक तिहाई गर्मी के रूप में, और शेष विकिरण के रूप में जारी होगी, दोनों ही प्रारंभिक विस्फोट के तुरंत बाद और लंबे समय तक फॉलआउट के रूप में। उदाहरण के लिए, हवा में (5,000 फीट से कम ऊंचाई पर) विस्फोट किया गया 100 किलोटन का हथियार निम्नलिखित प्रभाव पैदा करेगाः विस्फोट के एक से आठ सेकंड बाद, लगभग 1,000 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला एक आग का गोला दिखाई देगा। यह खुले में लोगों के मांस को जला देगा और विस्फोट क्षेत्र के भीतर गहरे आश्रयों में रहने वालों को सूखा भून देगा या दम घोंट देगा। इसके अलावा, यह अनुमान लगाया गया है कि यह ग्राउंड ज़ीरो से लगभग 10 मील की दूरी के भीतर चमक को देखने वालों की रेटिना को जला देगा। इसके बाद विस्फोट होगा, जो विस्फोट के 37 सेकंड बाद हथियार की कुल ऊर्जा का आधा हिस्सा ले जाएगा। अंत में, जैसे ही विस्फोट परिचित मशरूम आकार लेता है, हवाएं बादल में वापस खींच ली जाती हैं, जिससे विनाशकारी प्रभाव बढ़ जाते हैं। अंतिम प्रभाव विकिरण के रूप में आते हैं। विभिन्न हथियार और स्थितियां विकिरण के विभिन्न संयोजन (न्यूट्रॉन, एक्स-रे, गामा किरणें, अल्फा और बीटा कण) उत्पन्न करते हैं। अवशोषित विकिरण की मात्रा रैड में मापी जाती है। हालांकि इस बात पर कुछ विवाद है कि इंसान का शरीर कितनी सुरक्षित मात्रा में रेडिएशन झेल सकता है (और हम रोज़ाना प्राकृतिक तौर पर और मेडिकल कारणों से बहुत कम मात्रा में रेडिएशन के संपर्क में आते हैं), लेकिन असल में रेडिएशन एक्सपोज़र का कोई सुरक्षित स्तर नहीं है, और कोई भी थ्रेशहोल्ड डोज़ इतनी कम नहीं है कि बीमारी का खतरा ज़ीरो हो।41 ऊपर दिए गए उदाहरण में, धमाके से ग्राउंड ज़ीरो के एक किलोमीटर के दायरे में रेडिएशन की सबसे ज़्यादा डोज़ (हज़ारों रैड) निकलेगी। दो किलोमीटर पर, मात्रा काफी कम हो जाती है (सैकड़ों रैड) और ग्राउंड ज़ीरो से दूरी के साथ यह कम होती जाएगी। हालांकि, जानलेवा स्तर ग्राउंड ज़ीरो से काफी दूर तक फैलेंगे, जो वहां चलने वाली हवाओं और मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा। इसके लंबे समय तक रहने वाले असर काफी समय तक महसूस किए जाएंगे। यहां तक कि थोड़ी सी भी रेडियोएक्टिव फॉलआउट सांस लेने से भी शरीर पर और बुरे असर होंगे। उदाहरण के लिए, सिर्फ कैंसर के लिए, इंटरनेशनल कमीशन फॉर रेडियोलॉजिकल प्रोटेक्शन निम्नलिखित आंकड़े देता है—ल्यूकेमिया, 20; फेफड़े, 20; हड्डी, 5; थायरॉयड, 5; स्तन, 25; और अन्य, 50—ये 10,000 लोगों में 100 रैड की डोज़ से होने वाले जानलेवा कैंसर के मामले हैं।42 उत्पादन परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया बहुत जटिल और कठिन है। इस दावे के बावजूद कि डिवाइस बनाने के लिए ज़रूरी जानकारी पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है, असल में परमाणु हथियार बनाने के लिए काफी फिजिक्स, इंजीनियरिंग और विस्फोटक विशेषज्ञता की ज़रूरत होती है। इसके अलावा, इस तरह के प्रयास के लिए ज़रूरी सटीकता हासिल करने के लिए उचित हाई टेक्नोलॉजी सुविधाओं और उपकरणों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। परमाणु उपकरणों का निर्माण कई अन्य कारकों से भी मुश्किल हो जाता है। परमाणु विस्फोट करने में सक्षम डिवाइस बनाना एक महत्वपूर्ण और अपेक्षाकृत कठिन काम है। इस सामग्री को आमतौर पर हथियार ग्रेड विशेष परमाणु सामग्री कहा जाता है, और हालांकि कम ग्रेड सामग्री से भी हथियार बनाए जा सकते हैं, इसका आमतौर पर मतलब है यूरेनियम जिसे आइसोटोप यूरेनियम 235 के 90 प्रतिशत से अधिक या 90 प्रतिशत से अधिक प्लूटोनियम 239 के साथ समृद्ध किया गया हो।

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं।

ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्त्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो।

ईश्वर या दैव तुम्हारा है। जब तुम यह जान जाते हो कि तुम पूरे ईश्वरीय सत्ता के ही एक अंश हो, तो तुम उससे कोई मांग करना बन्द कर देते हो। तब तुम जानते हो कि तुम्हारे लिए सब कुछ किया जा रहा है। तुम्हारी देखभाल की जा रही है। मन में शीघ्रता या उतावलापन करना धैर्य की कमी होती है। आलस्य का मतलब आपके क्रिया-कलापों में सुस्ती होती है। इसका सही सूत्र मन में धैर्य और अपने क्रियाकलापों में तेजी होती है।

विचार मंथन

हेट स्पीच पर 1 से 7 साल की सजा, 50 हजार जुर्माना

(लेखक- सनत जैन)

कर्नाटक विधानसभा द्वारा हेट स्पीच और हेट क्राइम के खिलाफ नया कानून पारित किया गया है। कर्नाटक सरकार ने इस कानून के तहत नफरत फैलाने वाले भाषण, लेखन, सोशल मीडिया पोस्ट या किसी भी बोलने और सुनने वाले माध्यम से घृणा को बढ़ावा देने पर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को दंडित करने का प्रावधान किया गया है। दोष सिद्ध होने पर दोषी को 1 से 7 साल तक की सजा और 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। यह कानून केवल दंडात्मक कानून नहीं है, बल्कि समाज को एक स्पष्ट संदेश भी देने का प्रयास है, वह यह कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब नफरत फैलाना नहीं है। इस कानून के लागू होने के बाद 卐राजनीतिक एवं धार्मिक अभिव्यक्ति卐 की आड़ में नफरत फैलाने को कानून के अनुसार अपराध माना गया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में हेट स्पीच की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। चुनावी रैलियों, टीवी डिबेट्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर धर्म, जाति, भाषा और समुदाय के आधार पर नफरत फैलाने वाले बयान आम हो गए हैं। यह नफरत सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि आगे चलकर हिंसा, सामाजिक बहिष्कार, नफरत और भय के माहौल को जन्म देती हुई दिखाई देती है। इस कारण हत्या अपराध और माबलीचिंग की घटनाएं बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। इतिहास गवाह है, हर बड़ी साम्प्रदायिक हिंसा की जमीन नफरत भरे भाषणों से तैयार होती है। भाषण के जरिए एक समूह दूसरे समूह के खिलाफ नफरत और हिंसा का वातावरण बनाने का काम करता है। जो नफरत के माध्यम से समाज को विभक्त करने का मुख्य कारण बनता है।

इस कानून का विरोध बीजेपी द्वारा यह कहकर किया जा रहा है, कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बाधित होगी। लोग अपनी बात खुलकर नहीं कह पाएंगे। इस कानून का दुरुपयोग संभव है। कर्नाटक भाजपा का यह तर्क अधूरा और राजनीति से भरा हुआ सुविधाजनक पेंतरा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार है। संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में जिम्मेदारी भी तय करता है। यह अधिकार निरंकुश नहीं है। संविधान स्वयं सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और दूसरों के अधिकारों की रक्षा के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर उचित प्रतिबंध की अनुमति भी देता है। नफरत फैलाना न तो विचार है, दूसरे के विचारों से असहमत होना भी सामाजिक अपराध नहीं है। गौर करने वाली बात यह है, कि जिन राजनीतिक दलों द्वारा कर्नाटक के इस कानून पर सबसे अधिक आपत्ति दर्ज कराई गई है, उन राजनीतिक दलों की राज्य एवं केंद्र सरकार ने यूएपीए, एनएसए और देशद्रोह जैसे कहीं अधिक कठोर कानून लागू कर रखे हैं। स्वतंत्र अभिव्यक्ति के विरोध में जो लोग कर्नाटक में बने कानून का विरोध कर रहे हैं, वही केंद्र में इस तरह के कानून का खुलकर समर्थन करते हैं। सैकड़ो लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर केंद्र द्वारा लंबे समय से जेल में रखा गया है। इससे दोहरापन स्पष्ट रूप में झलकता है। जिस तरह से भारत में नफरत दिन प्रतिदिन फैलती चली जा रही है, आवरण ओढ़कर हेट स्पीच जगह-जगह बड़े पैमाने पर उत्तेजना के साथ, जिसमें हिंसा का भी पुट होता है, दी जा रही हैं। इस तरह की हेट स्पीच पर नियंत्रण वाले कानून को 卐तानाशाही卐 कहना राजनीतिक दलों के दोहरे मापदंडों को उजागर करता है। कर्नाटक का यह कानून देश के बाकी राज्यों के लिए एक संकेत है। लोकतंत्र में चुनाव जीतकर सत्ता में काबिज होना राजनीतिक दलों का उद्देश्य होता है। चुनाव जीतने के लिए इस तरह की हिंसा और सामाजिक विद्वेश को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। समाज और लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यक्तिगत और सामाजिक हितों को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना सरकार की जिम्मेदारी है। नफरत और हिंसा पर लगाम लगाने वाला कानून से किसी को डर लगता है, तो यह डर कानून का नहीं, बल्कि अपनी स्वार्थ की राजनीति और मौका परस्ती का है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का सच यही है, जो नफरत के स्थान पर सामाजिक एवं व्यक्तिगत प्रेम और सद्भाव का प्रतीक है। भारतीय लोकतंत्र में सभी वर्गों को समान अधिकार दिए गए हैं सभी को अपने-अपने धर्म के पालन करने का अधिकार दिया गया है। सबको अपना जीवन निजी विचार से जीने का अधिकार है। इसमें कोई भी दूसरा यदि अतिक्रमण करता है अथवा सार्वजनिक व्यवस्थाओं में विद्वेष पैदा करने की कोशिश करता है तो वह भारतीय लोकतंत्र के हिसाब से अपराध है। इस तरह के अपराधों को सख्ती से नियंत्रित करने की जरूरत है। कर्नाटक सरकार द्वारा हेट स्पीच को लेकर जो कानून बनाया गया है वह वर्तमान समय की जरूरत है। हेट स्पीच पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपना फैसला दे चुका है। केंद्र एवं राज्य सरकारें हेट स्पीच के मामले में कार्यवाही नहीं कर रही हैं, जिस कारण सुप्रीम कोर्ट का आदेश होने के बाद भी पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं करने से, हेट स्पीच का चलन दिन व दिन बढ़ता चला जा रहा है। इसका दुरुपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों-दिन खराब हो रही है।

अपराध भी बढ़ते चले जा रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारें अपनी सुविधा के अनुसार हेट स्पीच के मामले में कार्रवाई करती हैं, जिसके कारण स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। इस पर रोक लगना ही चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2026 में क्रिप्टो करेंसी में भारी गिरावट की चेतावनी

मुंबई । क्रिप्टो करेंसी को लेकर लोगों में भय बढ़ता चला जा रहा है। हाल ही में फंड स्ट्रेट ग्लोबल एडवरटाइजर्स ने चेतावनी जारी की है। उससे निविशकों की चिंता बढ़ गई है। इस चेतावनी भरी रिपोर्ट में कहा गया है। 2026 की पहली 6 माही में क्रिप्टो करेंसी में भारी गिरावट देखने को मिलेगी। बिटकॉइन 60000 डॉलर तक गिर सकता है। इथर कॉइन 1800 से 2000 रुपये तथा सोलना 50 से 75 डॉलर तक गिर सकता है। क्रिप्टो मुद्रा को लेकर अलग-अलग विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। आउटलुक फंडस्ट्रेट के को-फाउंडर और प्रमुख विश्लेषक टाम ली ने कहा है। बिटकॉइन की करेंसी कुछ महीने में 2.5 लाख डॉलर तक जा सकती है। ली का मानना है, इथर अपने पुराने औसत अनुपात पर लौटता है, तो उसकी कीमत 12000 डॉलर तक जा सकती है। क्रिप्टो करेंसी को लेकर सारी दुनिया में अलग-अलग विशेषज्ञों के बीच में अलग-अलग राय देखने को मिल रही है। जिसके कारण निवेशकों में भय का वातावरण है।

सावधान! बढ़ रहे हैं फर्जी एसएमएस, ट्राई ने बताए सुरक्षा के उपाय

अनजान लिंक पर क्लिक न करें ओटीपी या पिन किसी से शेयर न करें

नई दिल्ली । ट्राई ने लोगों को चेतावनी दी है कि देखने में सरकारी या बैंक वाला हर एसएमएस असली नहीं होता। असली मैसेज का हैडर (सेंडर आईडी) अंत में खास अक्षर दिखाता है- पी (प्रमोशनल), एस (सर्विस), टी (लेन-देन), जी (सरकारी)। इन संकेतों से असली मैसेज की पहचान की जा सकती है। ठग डर या लालच के मैसेज भेजते हैं, जैसे आज ही केवायसी अपडेट करें या आपने लॉटरी जीती है। इन मैसेज में संदिग्ध लिंक होते हैं, जो नकली वेबसाइट पर ले जाते हैं। कभी-कभी कॉल करके खुद को बैंक अधिकारी भी बताते हैं। फर्जी लिंक पर क्लिक करने के बाद आपके बैंक डिटेल्स, कार्ड नंबर, सीवीवी, पिन या ओटीपी मांगे जाते हैं। यह जानकारी साझा करने से अकाउंट हैक होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अनजान लिंक पर क्लिक न करें। ओटीपी या पिन किसी से शेयर न करें। डर या लालच वाले मैसेज को शक की नजर से देखें। जरूरत पड़े तो सीधे बैंक या कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट या कस्टमर केयर से संपर्क करें।

मरीज को वेंटिलेटर पर रखने से पहले परिवार को देनी होगी पूरी जानकारी

- खर्च का अनुमान, इलाज की प्रक्रिया, संभावित जोखिम और परिणाम भी शामिल होंगे

मुंबई । केंद्र सरकार ने प्राइवेट अस्पतालों में वेंटिलेटर सपोर्ट पर नई गाइडलाइंस जारी की हैं। अब अस्पतालों को मरीज को वेंटिलेटर पर रखने से पहले परिवार को पूरी जानकारी देनी होगी। इसमें खर्च का अनुमान, इलाज की प्रक्रिया, संभावित जोखिम और परिणाम शामिल होंगे। केवल परिवार की सहमति मिलने पर ही वेंटिलेटर सपोर्ट शुरू किया जा सकेगा। नए नियमों के तहत आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रोजाना का खर्च भी परिवार को बताया जाएगा। इससे परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से तैयार रह सकेगा। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जान बचाने वाला इलाज किसी वित्तीय शोषण का माध्यम न बने। गाइडलाइन बायोएथिकल सिद्धांतों पर आधारित हैं। इसमें मरीज की स्वतंत्रता और निर्णय लेने का अधिकार (ऑटोनॉमी), उनके हित में निर्णय लेना (बेनेफिसेंस), नुकसान से बचाव (नॉन-मैलेफिसेंस) और समान अवसर सुनिश्चित करना (न्याय) शामिल हैं। प्राइवेट अस्पतालों में वेंटिलेटर चार्ज अब समान होंगे और कोई छुपा हुआ शुल्क नहीं लिया जाएगा। डॉक्टरों को वेंटिलेटर लगाने से पहले स्पष्ट रूप से बताना होगा कि इसे क्यों लगाया जा रहा है और संभावित परिणाम क्या हैं।

स्मॉलकैप ने 2025 में निवेशकों को दिया असाधारण रिटर्न

मुंबई । साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए मिला-जुला रहा। निफ्टी 50 ने करीब 10 फीसदी और सेंसेक्स ने लगभग 9 फीसदी का स्थिर रिटर्न दिया। वहीं स्मॉलकैप सेगमेंट के कुछ शेयरों ने निवेशकों को भारी लाभ दिया। शुरुआती निवेशकों को 3,200 फीसदी से 6,000 फीसदी तक रिटर्न मिलने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार, डिफेंस, सेमीकंडक्टर, रिन्यूएबल एनर्जी और एमएसएमई जैसे सेक्टरों में तेजी रही। कंपनियों ने रणनीतिक बदलाव, विदेशी साझेदारी और मजबूत ऑर्डर बुक के जरिए निवेशकों का भरोसा हासिल किया। स्वदेशी इंडस्ट्रीज का शेयर 2.92 से उछलकर 146.40 रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने फिलीपींस की पर्लेस वेल फ्लोरा के साथ रणनीतिक साझेदारी की है और अब एशिया में एमएसएमई इंडस्ट्रियल पार्क और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे हाई-ग्रोथ क्षेत्रों पर फोकस कर रही है। पहले यूरो एशिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के नाम से जानी जाने वाली आरपीपी डिफेंस के शेयर 20.31 से बढ़कर 936.30 रुपए हो गए। कंपनी अब डीप-टेक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल की मेरोलाइट के साथ करार के बाद महाराष्ट्र में एडवांस्ड वेपन सिस्टम्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाई जाएगी।मिडवेस्ट गोल्ड के शेयर 111.57 से बढ़कर 4,048.85 रुपए तक पहुंच गए। 27 नवंबर 2025 को कंपनी ने श्रीलंका में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी गुउ इनर्जी के गठन की जानकारी दी थी। यह इकाई रिन्यूएबल एनर्जी, क्लीन पावर सॉल्यूशंस और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम पर काम करेगी।स्वान डिफेंस (पहले रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग) के शेयर 37.78 से बढ़कर 1,259.70 रुपए पर पहुंच गए।

रुपया सपाट बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सपाट बंद हुआ। आज सुबह रुपया 22 पैसे की मजबूती के साथ शुरु हुआ। 89.45 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। शुक्रवार को यह 89.67 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशक भारत में शेयर बाजार और अन्य परिसंपत्तियों में निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे रुपया मजबूत हुआ। कंपनियों का डॉलर में निवेश और ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल होने से निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया सुबह 89.53 पर खुला और बाद में 89.45 तक मजबूत हुआ। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 98.63 पर रहा। इसका असर रुपये पर सीमित दिखा।

1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे डिजिटल टैक्स नियम

- टैक्स चोरी पर की जाएगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली । 1 अप्रैल 2026 से भारत में नया टैक्स कानून लागू होगा, जो 1961 के इनकम टैक्स एक्ट की जगह लेगा। सरकार का कहना है कि यह बदलाव टैक्स सिस्टम को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए है। डिजिटल दौर में कमाई, निवेश और लेन-देन का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन होता है। इसलिए टैक्स चोरी रोकने के लिए डिजिटल मोर्चे पर सख्ती बढ़ाई जा रही है। नए कानून के तहत आयकर विभाग को जरूरत पड़ने पर सोशल मीडिया अकाउंट्स, ईमेल, क्लाउड स्टोरेज और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तक कानूनी पहुंच मिलेगी। इसका मकसद फर्जी कंपनियों, बेनामी लेन-देन और छुपी हुई आमदनी पर तेजी से कार्रवाई करना है। इस नियम का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो आमदनी छुपाते हैं, फर्जी कंपनियों के जरिए पैसा घुमाते हैं, बेनामी लेन-देन करते हैं और खर्च ज्यादा और टैक्स कम दिखाते हैं। ईमानदार टैक्सपेयर्स के लिए इसका कोई नकारात्मक असर नहीं होगा। इसे लिए आम लोगों को सलाह दी जाती है कि अपनी आमदनी सही-सही दिखाएं, खर्च और निवेश का रिकॉर्ड रखें, टैक्स रिटर्न ईमानदारी से भरें और डिजिटल लेन-देन में पारदर्शिता बनाए रखें।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।

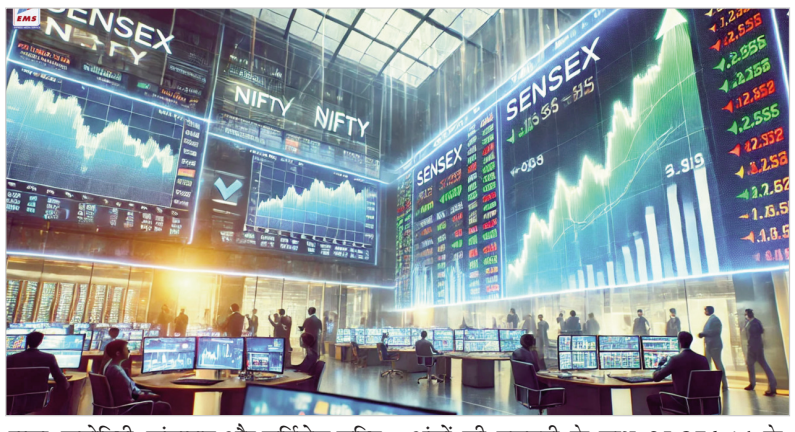

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी वाली रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 638.12 अंक बढ़कर 85,567.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 206 अंक की तेजी के साथ ही 26,172 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, बीईएल, सन फार्मा, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व और आईटीसीके शेयर लाभ में रहे जबकि एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरे थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 505.10 अंक बढ़कर 60,815.25 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 202.70 अंक ऊपर आकर बढ़त के साथ ही 17,593 पर बंद हुए। ऑटो, मेटल, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटी, कंजप्शन और सर्विसेज सहित अधिकतर इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। बाजार का रुख आज सकारात्मक रहा। आज 2,794 शेयर बढ़त पर जबकि 1,515 शेयर गिरावट पर थे। वहीं 192 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। बाजार जानकारों ने अनुसार भारतीय शेयर मार्केट में तेजी जारी है। इसका कारण फेड की ओर से ब्याज दरों में कमी से आई है। आईटी और मेटल स्टॉक्स में बढ़त बनी है। निवेशकों की नजरें अब भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर टिकी हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 446.78 अंकों की मजबूती के साथ 85,376.14 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 146.75 अंकों की बढ़त के साथ 26,115.90 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशिया-पैसिफिक बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा लोन प्राइम रेट को स्थिर रखने के बाद जापान का निक्केई 225 1.86 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.9 फीसदी चढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, जिससे भारतीय बाजार को भी समर्थन मिला।

भारत का दवा उद्योग 2047 तक 500 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर

- देश का दवा उद्योग पिछले 25 वर्षों में 3 अरब डॉलर से 60 अरब डॉलर तक बढ़ चुका

नई दिल्ली ।

भारत का दवा उद्योग वर्ष 2026 से अगले पांच साल को निर्णायक चरण मान रहा है, ताकि यह वर्ष 2047 तक 450-500 अरब डॉलर का उद्योग बनते हुए वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित हो सके। यह लक्ष्य वैश्विक व्यापार पुनर्संरचना और शुल्क उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों के बीच रखा गया है। देश का दवा उद्योग मुख्य रूप से जेनेरिक दवाओं पर आधारित है और पिछले 25 वर्षों में 3 अरब डॉलर से 60 अरब डॉलर तक बढ़ चुका है। अब कंपनियां अगली पीढ़ी की दवाओं और नवाचार की दिशा में तेजी से बढ़ रही हैं। आगामी सात वर्षों में 300 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की दवाओं के पेटेंट समाप्त होंगे, जो भारतीय कंपनियों के लिए नए उत्पाद हासिल करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाने का अवसर है। प्रमुख कंपनियां उच्च मूल्य वाले उत्पाद खरीद रही हैं, लाइसेंस समझौते कर रही हैं और नई दवाओं के लिए नियामक स्वीकृति प्राप्त कर रही हैं। दवा-चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली पीआरआईपी योजना उद्योग से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा सुरक्षा, उत्पादन मानकों का उन्नयन और वैश्विक गुणवत्ता मानकों के साथ तालमेल पर सरकार का ध्यान इस संक्रमण को और मजबूत बना रहा है। आईपीए और ओपीपीआई जैसे प्रमुख संगठनों ने माना है कि यह समय नवाचार, गुणवत्ता और पहुंच पर आधारित निर्णायक मोड़ है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी उद्योग भी नए मॉडल और वैश्विक नेतृत्व के अवसर तलाश रहे हैं।

सेबी ने शॉर्ट सेलिंग नियमों में बदलाव की खबर खारिज की

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्पष्ट किया है कि शॉर्ट सेलिंग के नियमों में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने यह गलत खबर फैलाई थी कि नियमों में संशोधन हुआ है, जिसे सेबी ने खारिज किया। सेबी के एक प्रमुख अे धिकारी ने नवंबर में कहा था कि नियामक जल्द ही शॉर्ट सेलिंग और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा के लिए एक कार्य समूह का गठन करेगा। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नियम तुरंत बदल गए हैं। शॉर्ट सेलिंग का ढांचा वर्ष 2007 में लागू हुआ था और तब से अधिकांशतः अपरिवर्तित रहा है। वर्तमान में निवेशकों और बाजार प्रतिभागियों को मौजूदा नियमों के अनुसार ही कार्य करना होगा।

भारत-न्यूज़ीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने की ऐतिहासिक घोषणा.....जाने क्या होगा सस्ता, क्या मंहगा

नई दिल्ली।

भारत और न्यूज़ीलैंड के द्विपक्षीय संबंधों में सोमवार को एक नया अध्याय जुड़ गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने फोन पर चर्चा के दौरान एक व्यापक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) के संपन्न होने की ऐतिहासिक घोषणा की। यह समझौता न केवल दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों को मजबूती देगा, बल्कि आने वाले वर्षों में निवेश और रोजगार के अभूतपूर्व मौके पैदा करेगा। पीएम लक्सन की मार्च 2025 में हुई भारत यात्रा के दौरान एफटीए पर बातचीत शुरू हुई थी, जिसे मात्र 9 महीनों के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। उम्मीद है कि अगले तीन महीनों के भीतर इस पर औपचारिक हस्ताक्षर हो जाएंगे और अगले साल से लागू होगा।

दोनों नेताओं ने भरोसा जताया कि समझौते के लागू होने के बाद अगले 5 वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होगा। न्यूज़ीलैंड ने वादा किया है कि वह अगले 15 वर्षों में भारत में करीब 20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच वस्तु और सेवा व्यापार करीब 2.4 अरब डॉलर रहा। वर्तमान में भारत का पलड़ा भारी है और वह व्यापार अधिशेष की स्थिति में है। भारतीय व्यापारियों के लिए यह समझौता गेम-चेंजर साबित होगा। समझौते के तहत न्यूज़ीलैंड भारत के 100 फीसदी निर्यातों पर जीरो ड्यूटी मार्केट एक्सेस देगा।

बात दें कि भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद भारत में कुछ चीजें सस्ती होने की उम्मीद है। न्यूज़ीलैंड भारत को बहुत सा कच्चा माल आपूर्ति करता है, जो भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी है। इस आयात बास्केट में सबसे बड़ा योगदान लकड़ी और उससे जुड़े उत्पादों का है। न्यूज़ीलैंड से बड़ी मात्रा में लॉग्स, चिरी हुई लकड़ी और वुड पल्प भारत आता है, जो हमारे घरेलू फर्नीचर, कागज निर्माण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अनिवार्य कच्चा माल है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद इन प्रोडक्ट पर अगर भारत आयात शुल्क घटाएगा, तब घरेलू बाजार में फर्नीचर आदि सस्ता हो सकता है। न्यूज़ीलैंड अपनी प्रीमियम गुणवत्ता के एग्री प्रोडक्ट लिए भारतीय बाजारों में खास पहचान बना चुका है। विशेष रूप से कीवी और सेब की मांग भारतीय शहरी मध्यम वर्ग के बीच काफी अधिक है।

अब एमएसएमई ऋण देने में डिजिटल डेटा आधारित निर्णय लेने लगे सरकारी बैंक

- 2,61,281 आवेदन स्वीकृत हुए और 23,541 करोड़ जारी किए गए

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026 के 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने डिजिटल फुटप्रिंट आधारित क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के तहत 28,724 करोड़ रुपये एमएसएमई को ऋण के रूप में मंजूर किए। इस अवधि में कुल 5,60,655 ऋण आवेदन जांचे गए, जिनमें से 2,61,281 आवेदन स्वीकृत हुए और 23,541 करोड़ रुपये जारी किए गए। लगभग 1,88,999 आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं। बैंकों की कुल अस्वीकृति दर लगभग 20 प्रतिशत रही। बैंक ऑफ महाराष्ट्र में यह दर कम रही, जबकि बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक में अधिक आवेदन अस्वीकृत किए गए। अधिकारियों ने कहा कि यह अस्वीकृति डिजिटल डेटा आधारित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन को दर्शाती है, न कि विवेकाधीन निर्णय। यह मॉडल 2024-25 के केंद्रीय बजट में पेश किया गया और मार्च 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लॉन्च किया गया। बैंक अब जीएसटी फाइलिंग, आयकर रिटर्न, बैंक खाते की जानकारी और अन्य प्रमाणित डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग करके ऋण प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहे हैं। इस पहल का लक्ष्य एमएसएमई तक औपचारिक ऋण पहुंच बढ़ाना, गिरवी आधारित ऋण की निर्भरता कम करना और कर्ज देने की प्रक्रिया को तेज़ व पारदर्शी बनाना है।

2025 में विलय-अधिग्रहण में रिकॉर्ड तेजी

– ओपन ऑफर 2008 के बाद सबसे ज्यादा

नई दिल्ली ।

साल 2025 विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) के लिहाज से काफी सक्रिय रहा। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के अनुसार, इस साल कुल 121 खुली पेशकशें हुईं, जो पिछले 17 वर्षों में सबसे अधिक हैं। यह संख्या 2008 के बाद दूसरी सर्वाधिक है, जब 133 खुली पेशकशें दर्ज हुई थीं। इस साल कुल 41,443.95 करोड़ रुपये की खुली पेशकशें की गईं, जो मूल्य के लिहाज से तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। सबसे बड़ी पेशकशों में टॉरंट फार्मास्युटिकल्स की जेबी केमिकल्स के लिए 6,842.80 करोड़ रुपये, निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल की इकाई एक्रीलो हाउस का आवास फाइनैंसर्स अधिग्रहण 3,682.15 करोड़ रुपये और आईएचएच हेल्थकेयर द्वारा फोर्टिस हेल्थकेयर का अधिग्रहण 3,349.44 करोड़ रुपये शामिल हैं। आम तौर पर, किसी कंपनी में 5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल करने वाली संस्थाएं, कुल 25 फीसदी हिस्सेदारी या नियंत्रण में बदलाव के बाद खुली पेशकश करती हैं। अधिकतर पेशकशों का उद्देश्य न्यूनतम 26 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल करना और मौजूदा शेयरधारकों को बाहर निकलने का अवसर देना होता है। शेयरधारकों को आम तौर पर अधिग्रहण कीमत या 60 दिन से 52 हफ्ते तक के वॉल्यूम-वेटेड प्राइस के आधार पर भुगतान किया जाता है।

प्राइम डेटाबेस के अनुसार अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन और पारिवारिक व्यवसायों में पीढ़ीगत बदलाव की वजह से निजी इक्विटी कंपनियां अधिक सक्रिय हैं। एक रिपोर्ट में भी नवंबर 2025 में निजी इक्विटी लेनदेन 2022 के बाद उच्चतम स्तर पर दिखाए गए हैं।

वरुण बेवरेजेज ने ट्विजा का 1,119 करोड़ में अधिग्रहण किया

- अधिग्रहण के बाद ट्विजा, बेवको की स्टेप-डाउन अनुषंगी कंपनी बन जाएगी

नई दिल्ली ।

वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) जो भारत और दुनिया के कई देशों में पेप्सिको की प्रमुख बॉटलिंग पार्टनर है, ने दक्षिण अफ्रीका की कंपनी ट्विजा का पूर्ण अधिग्रहण करने की घोषणा की है। यह अधिग्रहण उनकी स्थानीय अनुषंगी कंपनी, द बेवरेजेज कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (बेवको) के माध्यम से किया जाएगा। अधिग्रहण का उद्यम मूल्य 209.5 करोड़ दक्षिण अफ्रीकाई जार यानी लगभग 1,118.7 करोड़ रुपये तय किया गया है, जो पूरी तरह नकद में भुगतान किया जाएगा। वरुण बेवरेजेज के निदेशक मंडल ने इस सौदे को अपनी हाल की बैठक में मंजूरी दी।

ट्विजा गैर-अल्कोहलिक ब्रांडेड पेय पदार्थों का निर्माण और वितरण करती है। कंपनी के तीन

उत्पादन केंद्र केप टाउन, क्वीनस्टाउन और मिडेलबर्ग की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 10 करोड़ नगदी है। अधिग्रहण के बाद ट्विजा बेवको की स्टेप-डाउन अनुषंगी कंपनी बन जाएगी। इस अधिग्रहण से वरुण बेवरेजेज को दक्षिण अफ्रीकी बाजार में अपने गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थों के उत्पादन और वितरण में मजबूती मिलेगी। यह कदम कंपनी के वैश्विक विस्तार रणनीति का हिस्सा है और स्थानीय बाजार में उनके कारोबार को और सुदृढ़ करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईशान किशन के लिए एक और खुशखबरी, विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के लिए झारखंड की करेंगे कप्तानी

एडिलेड (एजेंसी)। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने घोषणा की है कि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एलीट (वीएचटी) 2025/26 सत्र के लिए झारखंड टीम के कप्तान होंगे। वीएचटी 2025/26 सत्र 24 दिसंबर से शुरू होगा, जिसमें झारखंड का पहला मैच अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ खेला जाएगा। किशन के अलावा, वीएचटी 2025-26 सत्र के लिए झारखंड टीम में कुमार कुशाग्रा, अनुकूल रॉय, रॉबिन मिंज, अभिनव शरण और विराट सिंह भी शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 के लिए झारखंड टीम- इशान किशन (विकेटकीपर और कप्तान), विराट सिंह, उत्कर्ष सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर और उप-कप्तान), रॉबिन मिंज, अनुकूल रॉय, शरणदीप सिंह, शिखर मोहन, पंकज कुमार (विकेटकीपर), बाला कृष्णा, एमडी कौनैन कुरैशी, शुभ शर्मा, अमित कुमार, मनीषी, अभिनव शरण, सुशांत मिश्रा, विकास सिंह, सौरभ शेखर, राजनदीप सिंह, शुभम सिंह.

झारखंड के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025/26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईशान ने टीम को पहली बार एसएमएटी खिताब दिलाया। उन्होंने 10 पारियों में 57.44 के असाधारण औसत से 517 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। खास बात यह है कि उन्होंने हरियाणा के खिलाफ फाइनल में 101 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर अपनी टीम को ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

SMAT में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, किशन को ICC पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में वापस जगह मिली है। संजू सैमसन के बाद किशन को दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार यादव आगामी टी20 विश्व कप में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। टी20आई टीम के उप-कप्तान रहे शुभमन गिल को फिटनेस और फॉर्म संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, और अक्षर पटेल उप-कप्तानी की भूमिका में लौट रहे हैं।

नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स: राफेल नडाल की मौजूदगी में लर्नर टिएन बने चैंपियन

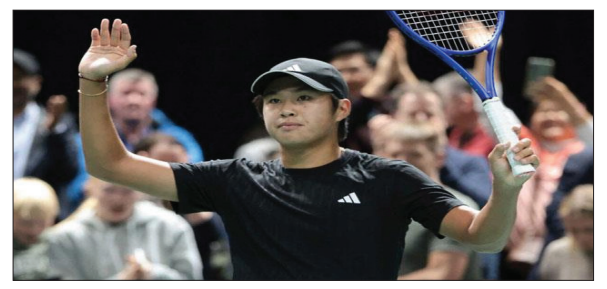

हांगझू (एजेंसी)। जेद्दाह अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए फाइनल मुकाबले में टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराया। इस यादगार मुकाबले के दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल भी स्टेडियम में मौजूद रहे।

पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टिएन ने दमदार वापसी की। टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए आसान नहीं रही थी। राउंड-रॉबिन चरण में स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले मैच में वह चार मैच प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सके और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए ग्रुप स्टेज के बाकी दोनों मुकाबले एक सेट से पिछड़ने के बावजूद जीत लिए।

नॉकआउट चरण में टिएन ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा उठाया और एक भी सेट गंवाए बिना फाइनल तक का सफर तय किया। खिताब जीतने के साथ ही वह स्टेफानोस सितसिपास (2018) और कार्लोस अल्काराज (2021) के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले तीसरे टॉप सीड खिलाड़ी बने। इसके अलावा, वह ब्रैंडन नकाशिमा (2022) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी भी बने।

फाइनल में बाएं हाथ के टिएन ने महज 58 मिनट में क्लच और आक्रामक खेल का बेहतरीन नमूना पेश किया, जिसकी झलक कभी 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के खेल में देखने को मिलती थी। हालांकि ब्लॉकक्स ने पहले सेट में एक भी फर्स्ट सर्व मिस नहीं की, लेकिन टाईब्रेक में टिएन ने धैर्य बनाए रखा और पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया और आसानी से खिताब जीत लिया।

खिताब जीतने के बाद टिएन ने कहा, 'मैं पिछले एक साल से इस ट्रॉफी को उठाने का इंतजार कर रहा था। इस साल मैंने कई ऐसे लक्ष्य हासिल किए, जिन्हें मैं पाना चाहता था। मेरे पास लक्ष्यों की एक लंबी सूची थी और उनमें से अधिकतर पूरे कर पाया। मैं वाकई बहुत खुश हूं।'

इसी सप्ताह विजय हजारे ट्रॉफी में उतरेंगे रोहित और विराट

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इसी माह 24 और 25 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। इन दोनो ने ही हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अब इन दोनो का लक्ष्य विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेलना है। ये दोनो ही उसमें भी बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौड़ में बने रहना चाहेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास के बाद से ही ये दोनों केवल एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं। ऐसे में इन दोनो को ही लय में बने रहने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी है। इसी कारण 24 दिसंबर को रोहित मुंबई के लिए जबकि 25 से विराट दिल्ली की तरफ से खेलते नजर आएंगे!

वहीं ये भी कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट को आराम दिया जा सकता है।

बीसीसीआई ने सारे खिलाड़ियों को लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं चल रहा हो तो खिलाड़ियों को घरेलू मैच में खेलना होगा। बोर्ड के बनाए नियम में केवल चोटिल खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। ऐसे में रोहित और विराट को भी एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को मजबूर होना पड़ा है। इसका एक कारण ये भी है एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं जिससे इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू मैच खेलना जरुरी हो गया है।

शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर करने पर पूर्व सिलेक्टर हैरान, इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के चयन ने क्रिकेट जगत में बड़ी बहस छेड़ दी है। उप-कप्तान शुभमन गिल को 15 सदस्यीय टीम से बाहर किए जाने का फैसला कई दिग्गजों के लिए चौंकाने वाला रहा। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व चयन समिति अध्यक्ष क्रिस श्रीकांत ने इस फैसले पर खुलकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं से ऐसे साहसिक कदम की उम्मीद नहीं थी। हालांकि, उन्होंने इसके बावजूद मौजूदा चयन समिति की सराहना भी की।

शुभमन गिल को बाहर करने पर श्रीकांत की हैरानी

क्रिस श्रीकांत ने कहा कि शुभमन गिल को टीम से बाहर किया जाना उनके लिए 'बड़ा झटका' था। उनके मुताबिक जब किसी खिलाड़ी को उप-कप्तान बनाया जाता है, तो यह साफ संकेत होता है कि टीम मैनेजमेंट उस पर भरोसा कर रहा है। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर गिल को बाहर करना भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब शो में कहा कि वह इस फैसले की उम्मीद नहीं कर रहे थे, खासकर तब जब गिल हाल ही में टेस्ट और वनडे टीम में नेतृत्व की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

चयन समिति के फैसले की तारीफ

हालांकि अपनी हैरानी के बावजूद श्रीकांत ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक ÷शानदार÷ और संतुलित टीम चुनी है, जो आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों के अनुरूप है। उनका मानना है कि चयन समिति ने भावनाओं से ऊपर उठकर प्रदर्शन और टीम कॉम्बिनेशन को प्राथमिकता दी। श्रीकांत के अनुसार, यह फैसला भले ही कठोर लगे, लेकिन लंबे समय में टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है।

टी20 आई में गिल का प्रदर्शन बना कमजोर कड़ी

शुभमन गिल का टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड उनके खिलाफ गया। उन्होंने 15 टी20ढ्ढ मैचों में 140 से कम के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज से अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखाता। टी20 फॉर्मेट में तेज रन बनाने की जरूरत होती है और यहीं पर गिल पिछड़ते नजर आए। उनकी मौजूदगी के कारण भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ना पड़ा, जो टीम के संतुलन पर असर डाल रहा था।

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को बढ़त

श्रीकांत ने साफ कहा कि टी20 क्रिकेट में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन, गिल से आगे नजर आते हैं। अभिषेक शर्मा को उन्होंने 'दुनिया का नंबर वन' तक कह दिया, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन विकेटकीपर-बल्लेबाज का उपयोगी विकल्प देते हैं। उनके मुताबिक, ईशान किशन की वापसी ने टीम को आक्रामक शुरुआत और अतिरिक्त

फ्लेक्सिबिलिटी दी है, जो बड़े टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभा सकती है।

गिल को करना होगा इंतजार

श्रीकांत ने यह भी कहा कि शुभमन गिल की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। वनडे और टेस्ट क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है, खासकर विदेशी परिस्थितियों में। लेकिन टी20 क्रिकेट में उन्हें अभी खुद को साबित करना होगा। पूर्व कप्तान के अनुसार, गिल को अब धैर्य रखना होगा और जब भी मौका मिले, टी20 फॉर्मेट में अपनी स्ट्राइक रेट और प्रभाव को बेहतर बनाना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन एशेज के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लियोन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। इससे लियोन पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। इसका कारण है कि एडीलेड टेस्ट में लियोन की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी कारण वह मैच में पूरे समय गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। तीसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय लियोन ने एक गेंद को रोकने के लिए छलांग लगाई। इसके बाद ही उन्हें दर्द शुरु हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि लियोन की चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है। लियोन ने तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन विकेट ओर दोनो पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने तब विकेट लिए जब इंग्लैंड की टीम तेजी से 435 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी।

हरमनप्रीत 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय व विश्व की दूसरी महिला क्रिकेट बनी

विशाखापट्टनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गईं हैं। हरमनप्रीत ने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 मुकाबले में हासिल की। हरमनप्रीत ने साल 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह वह लगातार आगे बढ़ती रही हैं। अपनी बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी कौशल से वह भारतीय महिला क्रिकेट की एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी हैं। वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने का रिकार्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी ने 347 मैच खेले हैं। हरमनप्रीत ने अपने करियर में कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। उन्होंने साल 2017 विश्वकप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। इस पारी को महिला क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में शामिल किया गया है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप जीता है। हरमनप्रीत ने 350 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 183 टी20, 161 एकदिवसीय और 9 टेस्ट शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 8 शतक के साथ ही कुल 8000 से ज्यादा रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी के दौरान इस बल्लेबाज ने 75 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 323 रनों से हराया, तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में मेहमान वेस्टइंडीज को बड़े अंतर से हराया। यह मैच टेस्ट सीरीज का न केवल आखिरी बल्कि निर्णायक मुकाबला भी था। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान में खेले गए मुकाबले में कीवी टीम ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाया और 323 रनों से जीत दर्ज की।

मैच में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। कप्तान टॉम लैथम ने 137 रन की अहम पारी खेली, जबकि उनके साथी ओपनर डेवोन कॉन्वे ने शानदार 227 रन बनाए। कॉनवे ने इस पारी में दोहरा शतक लगाया और टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई। इस दौरान क्रेम हॉज ने शतक लगाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी

बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में एक बार फिर अपने ओपनिंग बल्लेबाजों के बेजोड़ प्रदर्शन के चलते 2 विकेट खोकर 306 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। इस बार भी कप्तान टॉम लाथम ने 101 रन और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारी खेली, जिससे वेस्ट इंडीज पर दबाव और बढ़ गया। 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 138 रन पर ही ढेर हो गई। इस दौरान जैकब डफी ने पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 42 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। एजाज पटेल ने भी अच्छा साथ देते हुए 32 ओवर में 21 मेडन ओवर फेंके और केवल 23 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

मैच की खास बातें यह रहीं कि डेवोन कॉन्वे ने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक दोनों लगाए। टॉम लैथम ने भी दोनों पारियों में शतक जड़कर कप्तानी पारी खेली। डेवोन कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, वेस्टइंडीज की ओर से क्रेम हॉज का शतक ही एकमात्र बड़ी उपलब्धि रहा। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में समय पर विकेट लेकर टीम को आसान जीत दिलाई।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया है। सीरीज का पहला मैच ड्रा रहा था, जिसके बाद मेजबान टीम ने लगातार दो टेस्ट अपने नाम किए और सीरीज को जीत लिया। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए जैकब डफी को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

एस्टन विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड)। मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार दसवीं जीत है। वह ईपीएल की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से केवल तीन अंक पीछे है। रोजर्स ने अपना पहला गोल 45वें और दूसरा गोल 57वें मिनट में किया। यूनाइटेड के लिए एकमात्र गोल मैथियस कुन्हा ने किया। इस तरह से एस्टन विला का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। उसने लीग में अपने पिछले 12 मैचों में से 11 में जीत हासिल की। यह हार यूनाइटेड के लिए एक और झटका है। वह अपने पिछले आठ मैचों में से केवल दो में जीत हासिल कर पाया है और वह तालिका में सातवें स्थान पर है।

अंडर-19 एशिया कप जीतकर मालामाल हुई पाकिस्तान टीम, प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए

कराची । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने देश की अंडर-19 एशिया कप विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक करोड़ रुपए के विशेष नकद पुरस्कार की घोषणा की। पाकिस्तान की युवा टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हराकर खिताब जीता था। शरीफ ने इस्लामाबाद में टीम और उसके सहयोगी स्टाफ के लिए आयोजित किए गए स्वागत समारोह में यह घोषणा की। टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर सरफराज अहमद ने स्वागत समारोह के बाद मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इससे पहले रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप जीतने वाली जूनियर टीम के खिलाड़ियों के लिए 50-50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

हॉकी इंडिया का बड़ा ऐलान : आगामी लीग के लिए फैंस को मिलेंगे मुफ्त टिकट

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग (HIL) 2025-26 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए बताया है कि आगामी सीजन के मुकाबलों के लिए दर्शकों को मुफ्त टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका मकसद देश के अलग-अलग शहरों में हॉकी के प्रति फैंस की भागीदारी बढ़ाना और खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाना है। महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 28 दिसंबर से रांची में होगी और यह टूर्नामेंट 10 जनवरी तक चलेगा। वहीं, पुरुष हॉकी इंडिया लीग का आगाज 3 जनवरी से चेन्नई में होगा, जिसके बाद मुकाबले 11 जनवरी से रांची में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का अंतिम चरण हॉकी के गढ़ माने जाने वाले भुवनेश्वर में 17 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगा। रांची चरण के लिए Hero HIL के टिकट आज सुबह 11 बजे से उपलब्ध करा दिए गए हैं, जबकि चेन्नई में होने वाले पुरुषों के मुकाबलों के टिकट बुधवार सुबह 11 बजे से मिलेंगे। पिछली बार की तरह इस बार भी हॉकी इंडिया देश के हर कोने तक हॉकी पहुंचाने और इसे अधिक सुलभ बनाने के अपने लक्ष्य पर कायम है। हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन दिलीप तिर्की ने कहा, 'हमने एक बार फिर फैसला किया है कि चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होने वाले सभी मुकाबलों के लिए हॉकी प्रेमियों को मुफ्त टिकट दिए जाएंगे। महिला लीग रांची में होगी, जबकि पुरुषों की लीग तीन शहरों में खेली जाएगी। हमारा उद्देश्य स्टेडियम को उन फैंस से भरना है जो अपने पसंदीदा सितारों को खेलते देखना चाहते हैं। इस सीजन में दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और हमें शानदार हॉकी देखने की उम्मीद है।' गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने भी इसी तरह की बात कहते हुए कहा, 'Hero HIL एक महीने तक चलने वाला हॉकी का उत्सव होगा। हम सभी हॉकी प्रेमियों को #HockeyKaJashn देखने के लिए आमंत्रित करते हैं। हमारा लक्ष्य पूरे देश में हॉकी का फैनबेस बढ़ाना है और हमें उम्मीद है कि इस सीजन में सभी स्टेडियम खचाखच भरे रहेंगे।' इस साल की हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें हिस्सा लेंगी। नए और रिवैम्प्ड फॉर्मेट के साथ दोनों लीग में तेज रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे फैंस को पूरे एक महीने तक शानदार हॉकी का आनंद मिलेगा।

2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से दुखी होकर संन्यास लेना चाहता था: रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से वह हताश थे और उन्होंने खेल से संन्यास का फैसला कर लिया था। तब वह इतने दुखी थे और उन्हें लगा था कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। तब भारतीय टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी पर वहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था। तब ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथ आयी जीत छीन ली थी। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि फाइनल के बाद उन्हें लगा था कि अब मुझे नहीं खेलना चाहिये क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस सदमे से उबरने में मुझे कुछ समय लगा था। मैं अपने को याद दिलाता था कि यही वह खेल है, जिससे मुझे असल में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। इसके बाद धीरे-धीरे मैं इस झटके से उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल की और फिर से मैदान पर उतर गया। उन्होंने माना कि उस हार से हर कोई दुखी था और हमें भरोसा नहीं हो रहा था कि अचानक ही क्या हुआ है। मेरे लिए तो कप्तान होने के कारण यह बहुत कठिन दौर था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से पहले ही नहीं, बल्कि साल 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था.

रोहित ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वह एकदिवसीय में ही खेलते हैं। उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना और उसे जीतना है।

रोहित ने कहा, 'मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी-20 विश्व कप हो या 2023 में एकदिवसीय विश्व कप इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी शक्ति नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और वापसी करने में कुछ माह लग गये थे।'

भारतीय टीम ने इसके बाद उनकी कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था पर वह नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से इसके बाद भी नहीं उबर पाये।

रोहित ने कहा, 'जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपनी सारी ताकत लगा देते हैं और फिर

आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो दुखी होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है. मेरे साथ भी ठीक यही हुआ, लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता, इससे सबक लेते हुए हमने टी20 विश्वकप जीता।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पांच मार्च का चुनाव टला तो सड़क पर उतरेगी एनसीपी, पुष्पकमल दहल बोले- तिथियों का स्थगन स्वीकार नहीं

काठमांडु एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सबसे बड़े कम्युनिस्ट गठबंधन नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के समन्वयक पुष्पकमल दहल प्रचंड ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर किसी भी बहाने से 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव को स्थगित किया गया तो उनकी पार्टी सड़क पर उतरेगी। प्रचंड ने कहा कि एनसीपी ने गठबंधन के घोषणा के समय से ही समय पर चुनाव कराने का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा चुनाव तिथियों को स्थगित करने का कोई प्रयास स्वीकार्य नहीं है। प्रचंड ने यह बात काठमांडू के भृकुटीमंडप क्षेत्र में एनसीपी की एक एकता रैली को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने संविधान के उल्लंघन का खतरा जताते हुए सभी से समय पर चुनाव करवाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने किसी पार्टी या व्यक्ति का नाम नहीं लिया।

भूकंप के तेज झटकों से कांपा पाकिस्तान, डरे सहमे लोग भागे बाहर

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत एक बार फिर भूकंप के झटकों से कांप उठा है। रविवार (21 दिसंबर 2025) की सुबह खुजदार जिले में आए इस भूकंप ने लोगों के बीच भारी डर पैदा कर दिया। हालांकि रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता केवल 3.3 मापी गई लेकिन इसके झटके बहुत जोरदार महसूस किए गए। भूकंप के झटके लगते ही खुजदार और आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों और इमारतों से निकलकर खुले मैदानों की ओर भागने लगे। बलूचिस्तान पहले भी विनाशकारी भूकंपों का सामना कर चुका है, इसलिए हल्का झटका भी लोगों को पुरानी यादों से डरा देता है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन या आपदा प्रबंधन की ओर से किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। अधिकारी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। बलूचिस्तान भौगोलिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है क्योंकि यह भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के सक्रिय जंक्शन पर स्थित है। यहाँ लगातार होने वाली हलचल के कारण छोटे और मध्यम स्तर के भूकंप आते रहते हैं।

असीम मुनीर के प्लान पर खुश हुआ अमेरिका, विदेश मंत्री रुबियो बोले- पाकिस्तान के शुक्रगुजार हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गाजा के लिए पेश की गई 20 सूत्री शांति योजना को लेकर पाकिस्तान की संभावित भूमिका पर अमेरिका ने खुलकर समर्थन जताया है। इस योजना के तहत युद्धग्रस्त फिलिस्तीनी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती का प्रस्ताव है, जिसमें मुस्लिम बहुल देशों से सैनिक भेजे जाने की बात कही गई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका पाकिस्तान का आभारी है कि उसने इस अंतरराष्ट्रीय बल का हिस्सा बनने पर विचार करने की इच्छा जताई है। रुबियो के अनुसार, हम उन सभी देशों की सराहना करते हैं जो गाजा में स्थिरता बहाल करने के लिए ज़मीन पर मौजूद रहने को तैयार हैं या इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।हालांकि अमेरिका के इस प्लान पर आशंका जताई जा रही है कि जरूर कुछ दाल में काला है जो अमेरिका पाकिस्तान की इतनी तारीफ कर रहा है। पाकिस्तान ने अभी तक गाजा में सैनिक भेजने का अंतिम फैसला नहीं किया है। इस्लामाबाद का कहना है कि वह इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में स्पष्ट किया कि ह्वस्त्र में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर कोई निर्णय अभी नहीं लिया गया है। मार्को रुबियो ने बताया कि पाकिस्तान समेत अन्य संभावित देशों के साथ बातचीत शुरुआती चरण में है। कई अहम सवालों पर सहमति बनना अभी बाकी है। इस बीच, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर वॉशिंगटन जाकर राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं और गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स इस चर्चा का अहम मुद्दा होगा। हालांकि, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस दावे को खारिज कर दिया। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी साफ किया कि फिलहाल ट्रंप और असीम मुनीर के बीच किसी बैठक का कार्यक्रम राष्ट्रपति के कैलेंडर में नहीं है। गाजा के लिए अंतरराष्ट्रीय सैन्य बल का प्रस्ताव पश्चिम एशिया की राजनीति में एक नया मोड़ माना जा रहा है।

3 भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों को 11 साल की सजा, खेल का मैदान बना जंग का अखाड़ा

लंदन , एजेंसी। इंग्लैंड के ईस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में डर्बी में आयोजित एक कबड्डी टूर्नामेंट हिंसक झड़प में बदल गया, जिसके मामले में तीन भारतीय नागरिकों को कुल 11 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है। यह घटना करीब दो साल पुरानी है, जब टूर्नामेंट के दौरान बड़े पैमाने पर लफड़ा हुआ और हथियार लहराए गए। ब्रिटेन की अदालत ने तीनों को दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई है।

डर्बीशायर पुलिस ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि दमनजीत सिंह (35), बूटा सिंह (35) और राजविंदर तखर सिंह (42) वर्ष 2023 में अल्वास्टन में हुए कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई हिंसक झड़प में शामिल थे। इस झड़प में कई लोग घायल हुए थे। तीनों आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया था, लेकिन पिछले महीने डर्बी क्राउन कोर्ट में चले मुकदमे के बाद उन्हें दोषी करार दिया गया।

गोली चलने और हथियारों के इस्तेमाल की भी सूचना : पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त 2023 को रविवार दोपहर करीब 4 बजे एल्वास्टन लेन के पास गोली चलने और हथियारों से मारपीट की सूचना मिली थी। घटनास्थल से सामने आई वीडियो फुटेज में बूटा सिंह को विरोधी गुट का पीछा करते हुए देखा गया। हालांकि उस समय उसके पास कोई हथियार नहीं दिखा, लेकिन दो दिन बाद जब पुलिस ने उसकी कार रोकी तो बूट से दो माचेटे बरामद किए गए।फुटेज में दमनजीत सिंह और राजविंदर तखर सिंह को भी झड़प के दौरान बड़े चाकुओं के साथ देखा गया। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप तय किए गए।

अलग-अलग अवधि की सजा सुनाई गई : अदालत ने बूटा सिंह को चार साल की जेल की सजा सुनाई है। दमनजीत सिंह को तीन साल और चार महीने, जबकि राजविंदर तखर सिंह को तीन साल और दस महीने की सजा दी गई है। इस तरह तीनों को कुल मिलाकर 11 साल से अधिक की कैद भुगतनी होगी।

दो आरोपी बरी, पहले भी हो चुकी हैं गिरफ्तारियां : इस मामले में हिंसा में कथित भूमिका को लेकर मुकदमे का सामना कर रहे दो अन्य आरोपियों को जूरी ने बरी कर दिया। यह सजा पिछले साल की उस कार्रवाई के बाद आई है, जिसमें इसी हिंसा के सिलसिले में सात अन्य भारतीय मूल के लोगों को जेल भेजा गया था।

पुलिस बोली- झड़प पहले से थी योजनाबद्ध : वरिष्ठ जांच अधिकारी डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर मैट वरूम ने कहा कि यह घटना और इसके बाद की जांच का स्थानीय लोगों और वहां मौजूद दर्शकों पर गहरा असर पड़ा। उन्होंने उन सभी लोगों का आभार जताया जिन्होंने जांच में सहयोग किया। पुलिस के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया कि यह झड़प पहले से योजनाबद्ध थी और एक समूह घटना से पहले डर्बी के ब्रंसविक स्ट्रीट पर इकट्ठा हुआ था।

कभी भी आकर मिल सकते हैं, बेटों ने इमरान खान को लेकर जताई चिंता तो पाकिस्तान ने दिया रिएक्शन

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को साफ किया कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे देश आते हैं तो उन्हें अपने जेल में बंद पिता से मिलने पर कोई रोक नहीं है। सरकारी अधिकारी ने यह भी कहा कि अगर दोनों भाई उनसे मिलने आना चाहते हैं, तो उन्हें पाकिस्तानी वीजा दिया जाएगा। यह बयान तब आया जब ऐसी खबरें आई कि अधिकारियों ने इमरान खान से मिलने पर बिना बताए पाबंदियां लगा दी हैं, यह दावा करते हुए कि कुछ मुलाकाती इन मुलाकातों का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडा बढ़ाने के लिए कर रहे थे।

शहबाज सरकार के मंत्री ने क्या कहा : गृह राज्य मंत्री तलल चौधरी ने पत्रकारों को बताया, सुलेमान खान और कासिम खान पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने पिता इमरान खान से मिलने पर कोई रोक नहीं है। चौधरी ने कहा, अगर सुलेमान और कासिम पाकिस्तानी वीजा के लिए अप्लाई करते हैं तो हम उन्हें दे देंगे। हम उन्हें उनके पिता से मिलने से नहीं रोकेंगे; इसलिए, यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तानी सरकार पिता और बेटों की मुलाकात में रुकावटें डाल रही है, बंद होना चाहिए। उन्होंने उन रिपोर्ट्स को भी खारिज कर दिया कि खान को दिन में 23 घंटे अकेले रखा जा रहा है। इन खबरों के बाद, उनके परिवार के सदस्यों और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने उन हालातों पर चिंता जताई जिनमें उन्हें रखा गया है। सुलेमान और कासिम अभी लंदन में रहते हैं, खान की पहली शादी ब्रिटिश टीवी पर्सनैलिटी जेमिमा गोल्डस्मिथ से हुए बेटे हैं। चौधरी का यह बयान भाइयों के स्काई न्यूज को यह बताने के कुछ दिनों बाद आया है कि उन्हें डर है कि वे अपने जेल में बंद पिता को शायद फिर कभी नहीं देख पाएंगे।

इमरान खान के बेटों ने क्या कहा था : भाइयों ने कहा कि उन्होंने अगस्त 2023 से जेल में बंद पीटीआई के संस्थापक को महीनों से देखा या उनसे बात नहीं की है और उन्होंने उनकी सुरक्षा और सेहत के बारे में चिंता जताई है। अपने इंटरव्यू में इमरान के बेटों ने आरोप लगाया कि उनके पिता को आइसोलेशन में रखा गया है और इन हालातों को साफ तौर पर टॉर्चर की रणनीति बताया।

1971 मुक्ति संग्राम के नायक दूसरे कमांडर खांडकर का निधन, ढाका में ली आखिरी सांस

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की स्थापना के लिए 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मुक्ति वाहिनी के प्रमुख नेता, एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) ए. के. खांडकर का शनिवार को निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। पांच दशक पहले 16 दिसंबर को जब पाकिस्तानी सैनिकों ने भारत-बांग्लादेश संयुक्त बलों के सामने आत्मसमर्पण किया था तब खांडकर उपस्थित थे। रक्षा मंत्रालय के अंतर-सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, आज (20 दिसंबर) पूर्वाह्न लगभग 10:35 बजे उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण खांडकर ने अंतिम सांस ली। उन्होंने 16 दिसंबर, 1971 को ढाका में आयोजित समारोह में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया, जब लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी के नेतृत्व में पाकिस्तानी सैनिकों ने भारत के लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोरा के नेतृत्व वाली भारत-बांग्लादेश संयुक्त सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। वीरता पुरस्कार बीर उत्तम से सम्मानित खांडकर, जनरल एम ए जी उस्मानी के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की मुक्ति युद्ध सेना, मुक्ति वाहिनी के दूसरे शीर्ष कमांडिंग ऑफिसर थे और बाद में देश की वायु शक्ति को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले पहले वायु सेना प्रमुख बने। युद्ध प्रयासों में उनके योगदान को मान्यता देते हुए, बांग्लादेश ने उन्हें 2011 में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, स्वतंत्रता पुरस्कार से सम्मानित किया। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने अनुभवी सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, उन्होंने 1971 के मुक्ति युद्ध के दौरान साहस, दूरदर्शिता और नेतृत्व का प्रदर्शन करके स्वतंत्रता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खांडकर 1952 में तत्कालीन पाकिस्तानी वायु सेना में शामिल हुए थे और 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति युद्ध में शामिल होने से पहले एक लड़ाकू पायलट और प्रशिक्षक के रूप में सेवा की थी। इसके बाद के वर्षों में, उन्होंने भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त और ऑस्ट्रेलिया में राजदूत के रूप में कार्य किया। खांडकर पूर्वोत्तर में स्थित अपने गृह जिले पाबना से अवामी लीग के टिकट पर दो बार संसद के लिए चुने गए थे।

एपस्टीन से जुड़ी 16 फाइलें वेबसाइट से गायब, सच की परत खुलने से पहले हंगामा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन से जुड़े लंबे समय से बंद पड़े सरकारी दस्तावेजों कम से कम 16 ऐसी फाइलें फाइलें शनिवार तक अमेरिकी न्याय विभाग की वेबसाइट से गायब हो गईं। इसमें एक ऐसी भी फाइल शामिल थी, जिसमें ट्रंप की तस्वीरें थी। दरअसल, अमेरिकी न्याय विभाग ने कांग्रेस द्वारा पारित एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत हजारों पेज के दस्तावेज और सैकड़ों फोटो जारी किए। इन एपस्टीन की जांच, फ्लाइट लॉग्स, फोटोग्राफ्स और अन्य रिकॉर्ड शामिल हैं।

कौन-कौन था तस्वीरों में : बताया जा रहा है कि गायब हुईं ये फाइलें अमेरिका के न्याय विभाग की सार्वजनिक वेबसाइट पर शुक्रवार को अपलोड की गई थी, जिसे शनिवार तक आम लोगों के एक्सेस से हटा दिया गया। गायब हुई फाइलों में ऐसी तस्वीरें शामिल थी, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप, जेफ्री एप्सटीन और गिस्लेन मैक्सवेल एक साथ नजर आ रहे थे। इसके अलावा गायब हुईं तस्वीरों में नग्न महिलाओं की कलाकृतियों की तस्वीरें और फर्नीचर व दराजों में रखी कई तस्वीरों का एक कोलाज भी शामिल था। हालांकि, अमेरिका के न्याय विभाग ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि इन फाइलों को जानबूझकर हटाया गया है या किसी तकनीकी गलती के वजह से वेबसाइट पर नहीं दिख रही है।

क्या-क्या छुपाया जा रहा है : न्याय विभाग की वेबसाइट से फाइलें गायब होने के बाद से सोशल मीडिया पर अटकलों का दौर तेज हो गया है। अमेरिकी संसद की हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट सदस्यों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ट्रंप की तस्वीर गायब होने को लेकर सवाल उठाया और पूछा, और क्या-क्या छुपाया जा रहा है? अमेरिकी जनता को पारदर्शिता चाहिए। हाल ही में सामने आई जानकारियों में से एक यह है कि न्याय विभाग ने 2000 के दशक में एपस्टीन के खिलाफ जांच बंद करने का फैसला किया था, जिसके कारण वह राज्य स्तर के उस आरोप में दोषी ठहराए जाने में सक्षम हो गया था, और एक पहले कभी न देखी गई 1996 की शिकायत जिसमें एपस्टीन पर बच्चों की तस्वीरें चुराने का आरोप लगाया गया था। अब तक जारी की गई तस्वीरों में न्यूयॉर्क शहर और अमेरिकी वर्जिन द्वीप समूह में एपस्टीन के घरों की तस्वीरें प्रमुखता से दिखाई गई हैं, साथ ही कुछ तस्वीरें मशहूर हस्तियों और राजनेताओं की भी हैं। पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पहले कभी न देखी गई तस्वीरों की एक श्रृंखला सामने आई, लेकिन ट्रंप की तस्वीरें बहुत कम थीं।

अमेरिकी सेना की वेनेजुएला पर बड़ी कार्रवाई, समुद्र तट पर नाकाबंदी; एक और तेल टैंकर जब्त

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ट्रंप लगातार वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी सैनिक लगातार वेनेजुएला के तट के पास कार्रवाई कर रहे हैं। अमेरिकी सैनिकों ने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर को जब्त किया है। दरअसल, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर ट्रंप के बढ़ते दबाव के बीच शनिवार को अमेरिकी सैनिकों ने एक और टैंकर वेनेजुएला के तट के पास से जब्त किया है।

गृह मंत्री ने की पुष्टि : अमेरिकी की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्रवाई की पुष्टि की है। उन्होंने एक्स पर किए पोस्ट में लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिबंधित तेल की अवैध आवाजाही का पीछा करना जारी रखेगा जिसका उपयोग इस क्षेत्र में नार्को आतंकवाद को वित्त पोषित करने के लिए किया जाता है। यह कार्रवाई अमेरिकी तटरक्षक बल द्वारा पेंटागन के समर्थन से की गई थी और यह वेनेजुएला के तेल निर्यात को बाधित करने और मादुरो पर पद छोड़ने के लिए दबाव डालने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। अल जजीरा के सूत्रों से नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले तीन अधिकारियों ने ऑपरेशन के स्थान का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि तटरक्षक बल इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। दो अधिकारियों ने भी इस ऑपरेशन की पुष्टि की। एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई सहमत बोर्डिंग थी, जिसमें टैंकर स्वेच्छा से रुका और अमेरिकी सेना को उस पर चढ़ने की अनुमति दी। अल जजीरा के अनुसार, पिछले सप्ताह अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के तट पर एक प्रतिबंधित तेल टैंकर को जब्त किए जाने के बाद से प्रभावी रूप से एक प्रतिबंध लागू है।

उस्मान हादी की मौत के बाद ढाका विश्वविद्यालय ने बंगबंधु हॉल का बदला नाम, गृह मंत्रालय को 24 घंटे का अल्टीमेटम

ढाका, एजेंसी। इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद से बांग्लादेश में भारी बवाल देखने को मिल रहा है। इस बीच ढाका विश्वविद्यालय ने बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान हॉल का नाम बदलकर शहीद शरीफ उस्मान हादी हॉल कर दिया है। दरअसल, इंकलाब मंच के प्रवक्ता और प्रमुख छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी का ढाका में गोली लगने के बाद सिंहापुर में इलाज चल रहा था। इस दौरान 18 दिसंबर 2025 को उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद से ही बांग्लादेश में भारी बवाल देखने को मिल रहा है। उस्मान हादी की मौत के बाद शुक्रवार को ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों और हॉल यूनियन के नेताओं ने शेख मुजीबुर रहमान हॉल की पुरानी नेमप्लेट को हटाकर उस पर नया नाम शहीद उस्मान हादी हॉल लिख दिया। बीडी न्यूज के अनुसार, उन्होंने हॉल के गेट पर बैनर भी लगाए। शनिवार को अधिकारियों ने पुराने साइनबोर्ड को हटा दिया, और इमारत से शेख मुजीबुर रहमान का नाम हटाने और दीवारों पर उनके द्वारा लिखे गए भित्तिचित्रों पर पेंट करने के लिए एक क्रेन का इस्तेमाल किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार देर रात के दौरान उनकी दो भित्तिचित्रों पर भी पेंट कर दिया गया। इस फैसले ने ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच विरोध और बहस छेड़ दी है, जिनमें से कुछ ने फेसबुक समूहों में अपने विचार व्यक्त किए हैं। बंगबंधु, एक सम्मानित उपाधि जिसका अर्थ है बंगाल का मित्र या बंगालियों का मित्र, बांग्लादेश के संस्थापक पिता और पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलाने और बंगाली अधिकारों की पैरवी करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रदान की गई थी। शनिवार को बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय परिसर में मारे गए इंकलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी के अंतिम संस्कार की प्रार्थना संपन्न होने के बाद संगठन शाहबाग क्षेत्र की ओर बढ़ा और देश के गृह मंत्रालय को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए उस्मान हादी के हत्यारों की गिरफ्तारी की प्रगति पर रिपोर्ट की मांग की। अंत्येष्टि के बाद, मोनचो ने बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी और गृह मंत्रालय में मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक, खुदा बख्श चौधरी से हादी के हत्यारों की गिरफ्तारी की प्रगति पर एक रिपोर्ट प्रदान करने की मांग की और चेतावनी दी कि जवाब देने में विफल रहने पर उन्हें इस्तीफा देना होगा।

मुनीर के गले की फांस बनी अमेरिका की दोस्ती, गाजा में सेना भेजने का प्रेशर; अपने ही जाल में कैसे फंसा पाकिस्तान?

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान इस समय अमेरिका से दोस्ती मजूबत करने की कोशिश में लगा हुआ है। इस बीच अमेरिका पाकिस्तान पर गाजा में शांति सेना भेजने का दबाव बना रहा है। जिसको लेकर असीम मुनीर मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा शांति समझौते को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पाकिस्तान में सत्ता हिल रही है। उन्होंने पाकिस्तान की गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स में शामिल होने की पेशकश या विचार करने के लिए आभार जताया। मार्को रुबियो ने कहा कि हम पाकिस्तान के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने इसका हिस्सा बनने का प्रस्ताव दिया है या कम से कम इसका हिस्सा बनने पर विचार करने को कहा है। बता दें कि मार्को रुबियो ट्रंप के गाजा पीस प्लान के तहत पाकिस्तानी सेना को गाजा भेजने की बात कर रहे थे। लेकिन पाकिस्तानी सेना इस मुद्दे पर बंटी हुई दिखाई दे रही है। फील्ड मार्शल असीम मुनीर के खिलाफ पाकिस्तान के लोग सड़कों पर उतर आए। राजनीतिक दलों और खासकर मुनीर को इतना ताकतवर बनाने वाली सरकार भी इससे सहमत नहीं है। ऐसे में असीम मुनीर मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान के बाद पाकिस्तान में ऐसी खबरें फैलने लगीं कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर निकट भविष्य में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। इसके बाद से पाकिस्तान की जनता, मीडिया, सेना, सरकार और अन्य राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं।

हमारा काम नहीं... बढ़ता विवाद देख शनिवार को पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान को सैन्यकर्मी भेजने के लिए नहीं कहा गया है और न ही देश ने अभी तक कोई निर्णय लिया है। इससे पहले, विदेश मंत्री इशाक

डार ने कहा था कि जब तक आईएसएफ के कार्यक्षेत्र स्पष्ट नहीं हो जाते, पाकिस्तान कोई निर्णय नहीं ले सकता और साथ ही यह भी कहा था कि हमास को निरस्त्र करना हमारा काम नहीं है।

मुस्लिम देश को फिलिस्तीनी समूहों से नहीं लड़ना चाहिए : पाकिस्तानियों की मानें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की योजना मुस्लिम देशों को हमास और अन्य प्रतिरोधक समूहों के साथ टकराव के रास्ते पर धकेलने का है। पाकिस्तानी अखबार द डॉन ने अपने संपादकीय में लिखा है, अमेरिका वह करने की कोशिश कर रहा है, जो इजरायल करने में विफल रहा। हमारा मानना है कि किसी भी मुस्लिम देश को फिलिस्तीनी समूहों से नहीं लड़ना चाहिए। शायद गाजा योजना के इसी अप्रिय पहलू के कारण कई देशों ने सेना भेजने से इनकार कर दिया है। संपादकीय में लिखा है कि इजरायल पर भरोसा नहीं किया जा सकता, और उसने पहले ही संकेत दे दिया है कि वह कब्जे वाले गाजा के महत्वपूर्ण हिस्सों में बने रहने का इरादा रखता है। इसलिए मुस्लिम और अरब देशों को कब्जे को जारी रखने की अमेरिकी-इजरायली योजना में भागीदार नहीं बनना चाहिए।

मुश्किल में फंसे मुनीर : एक तरफ जहां अमेरिका पाकिस्तान के असीम मुनीर पर गाजा में अपनी सेना भेजने का दबाव बना रहा है, वहीं दूसरी हो यह फैसला असीम मुनीर को मुश्किलों में घेर रह है। गौरतलब है कि असीम मुनीर ने पाकिस्तान में सत्ता पर खुद को मजबूत करने के लिए उन्होंने अमेरिका से ज्यादा ही नजदीकी बढ़ा ली है। इससे चीन भी नाराज चल रहा है, लेकिन अब वो अगर पाकिस्तानी सेना को गाजा नहीं भेजते हैं तो ट्रंप भी नाराज हो जाएंगे। ऐसे में एक तरफ जहां अमेरिका पाकिस्तान के असीम मुनीर पर गाजा में अपनी सेना भेजने का दबाव बना रहा है, वहीं दूसरी हो यह फैसला असीम मुनीर को मुश्किलों में घेर रहा है। अगर मुनीर अमेरिका की बातों में आते हैं तो जनता के आक्रोश के साथ पाकिस्तानी सेना में भी विद्रोह की संभावना है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योगी सरकार ने शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश किया

लखनऊ (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में अनुपूरक बजट पेश किया। अनुपूरक बजट में विकासपरक क्षेत्रों को प्राथमिकता मिली है। योगी सरकार ने कैबिनेट से पास कराने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट प्रस्तुत किया, जिसका कुल आकार 24,496.98 करोड़ रुपये है। यह मूल बजट (आठ लाख, आठ हजार करोड़ रुपये) का करीब 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को कैबिनेट से पास कराने के बाद दोपहर में सदन में पेश किया। अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर अनुपूरक बजट में सरकार ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं के लिए धनराशि दी है। एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के कार्यों के लिए भी धनराशि के साथ लोक निर्माण विभाग को भी सड़क परियोजनाओं के लिए राशि प्रदान की। ग्राम्य विकास, धर्मार्थ कार्य व पर्यटन स्थलों के विकास के लिए भी सरकार अनुपूरक बजट में धनराशि दी है। इस अनुपूरक बजट का मुख्य उद्देश्य मौजूदा योजनाओं में अपर्याप्त प्रावधानों को पूरा करना, नई आवश्यकताओं को पूरा करना और विकास कार्यों को बिना रुकावट के आगे बढ़ाना है। इसमें राजस्व व्यय के लिए 18,369.30 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय के लिए 6,127.68 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम पर लगाया 2.37 लाख का चूना

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। साइबर फ्रॉड गिरोह के शातिर बदमाशों ने बसंतपुरपट्टी निवासी सुजीत कुमार के खाते में सेंध लगा दी। साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम एक संदिग्ध एपीके फाइल भेजा। इस पर क्लिक कर मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद शातिरों ने उनके फ्लिपकार्ट अकाउंट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर करीब 2.37 लाख की ऑनलाइन शापिंग कर डाली। पीड़ित के अनुसार, उनके मोबाइल पर वाहन चालान कटने का एक संदेश आया था। संदेश के साथ एक लिंक दिया गया था, इस आधिकारिक समझकर जैसे ही उन्होंने क्लिक किया, मोबाइल काम करना बंद कर दिया। मोबाइल हैक करने के बाद शातिरों ने क्रेडिट कार्ड्स का विवरण हासिल कर खरीदारी शुरू कर दी। क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 36 हजार 248 और 70 हजार 298 रुपये की दो बार में शॉपिंग की। इसके बाद दूसरे क्रेडिट कार्ड से 30 हजार 386 की शॉपिंग की। तीसरे क्रेडिट कार्ड से 70 हजार 298 की शॉपिंग की गई। ऑर्डर कैंसिल होने के कारण यह राशि वापस आ गई। 2.37 लाख रुपये ठगी के बाद पीड़ित ने साइबर थाने में प्राथमिकी कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रांजैक्शन डिटेल्स के जरिए शातिरों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

गणतंत्र दिवस समारोह के चलते सुरक्षाबलों ने चलाया स्टेडियम के पास तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने बख्शी स्टेडियम के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। बख्शी स्टेडियम कश्मीर में गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन स्थल है। अमीराकदल और महाराजा बाजार के घनी आबादी वाले व्यावसायिक क्षेत्रों की कुछ आवासीय इकाइयों में विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और मेटल डिटेक्टर की मदद ली गई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक सुरक्षा बलों को तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि तोड़फोड़ विरोधी जांच और तलाशी अभियान बख्शी स्टेडियम के पास स्थित क्षेत्रों में चलाए गए जो कश्मीर में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य स्थल है। लाल चौक स्थित ऐतिहासिक क्लॉक टावर अमीराकदल से कुछ ही दूरी पर स्थित है जहां तलाशी अभियान चलाया। क्लॉक टावर पिछले चार सालों में एक पर्यटन केंद्र में बदल गया है।

भारतीय नौसेना की जासूसी करने के मामले में तीसरा आरोपी भी पकड़ाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। उडुपी पुलिस ने मालपे कोचीन शिपयार्ड से जुड़े कर्मचारियों ने भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील जानकारी लीक करने के मामले में तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि तीसरे आरोपी की पहचान गुजरात के आणंद जिले के कैलाश नगरी निवासी भरत कुमार खदयाट के पुत्र हिरेंद्र कुमार (34) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों पर अवैध वित्तीय लाभ के बदले नौसेना संचालन और प्रतिष्ठानों से संबंधित गोपनीय जानकारी को पाकिस्तान स्थित अपने संचालकों को भेजने का शक है। इससे पहले 21 नवंबर को पुलिस ने इस मामले में यूपी के रहने वाले रोहित और संत्री को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। पुलिस इनसे पूछताछ कर जानकारी हासिल करेगी कि इन्होंने संवेदनशील जानकारी किसको पहुंचाई।

यूक्रेनी सेना की कैद में भारतीय छात्र... मां को भेजा वीडियो संदेश, पीएम मोदी से मदद की गुहार

अहमदाबाद (एजेंसी)। यूक्रेनी सेना की कैद से गुजरात के एक छात्र साहिल मोहम्मद हुसैन ने वीडियो संदेश भेजा है। इसमें भारतीय युवाओं से किसी भी परिस्थिति में रूसी सेना में शामिल न होने की अपील की गई है। भारतीय छात्र हुसैन का आरोप है कि रूस में एक झूठे ड्रग्स मामले में फंसाकर ब्लैकमेल किया और जबरन रूसी सेना में शामिल होने के लिए मजबूर किया। हुसैन को यूक्रेन में अभी कहा रखा गया हैं इसकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने हुसैन के वीडियो गुजरात में उसकी मां को भेजा। इसके बाद मां ने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए दिल्ली की अदालत में याचिका दायर की है। इस मामले की अगली सुनवाई फरवरी में होगी। वीडियो में हुसैन कह रहा हैं कि मैं 2024 में पढ़ाई के लिए रूस आया था। लेकिन आर्थिक और वीजा संबंधी समस्याओं के कारण मैं कुछ रूसियों के संपर्क में आया, जो बाद में नशीले पदार्थों के धंधे से जुड़े निकले। रूस में कम से कम 700 लोगों को ड्रग्स के आरोप में जेल में डाला गया। लेकिन जेल प्रशासन ने सिर्फ मुझे ही ऑफर दिया कि अगर मैं रूसी सेना में शामिल होता हूं, तब ड्रग्स केस वापस ले लिया जाएगा। मैंने उनकी बात मानकर 15 दिनों के प्रशिक्षण के बाद सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। मोर्चे पर पहुंचते ही मैंने सबसे पहले यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया। अब मैं उनके कब्जे में हूं। लेकिन रूस आने वाले युवाओं के लिए मेरा संदेश है, 'सावधान रहें'। यहां बहुत से ठग हैं जो आपको झूठे ड्रग्स केस में फंसा सकते हैं। मैं भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं, कृपया मेरी मदद करें। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में भारत आए थे। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि मेरी सुरक्षित घर वापसी के लिए पुतिन से बात करें।

हिमाचल में बदला मौसम: ऊंची चोटियों पर बर्फबारी, मैदानी इलाकों में घने कोहरे ने घेरा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे समूचा प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में आ गया है। रविवार को राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों, विशेष रूप से रोहतांग दर्रा, अटल टनल के आसपास के क्षेत्रों और शिंकुला दर्रा पर हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। इस ताजा हिमपात ने जहां पहाड़ों पर चांदी जैसी सफेदी बिखेर दी है, वहीं निचले इलाकों में भी मौसम काफी खराब बना हुआ है। पर्यटन नगरी मनाली, कुल्लू और राजधानी शिमला सहित कई स्थानों पर दिन भर बादलों का डेरा रहा, जिससे धूप की तपिश कम हो गई और ठिठुरन बढ़ गई। मैदानी जिलों जैसे बिलासपुर और ऊना में घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही, जबकि मंडी जिले के कुछ हिस्सों में भी धुंध का असर देखा गया। राज्य के कम से कम 25 प्रमुख शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर चुका है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आगामी दिनों के लिए चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि प्रदेश में मौसम और बिगड़ने की संभावना है। 22 दिसंबर को किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों के कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज बर्फीली हवाएं चलने का अनुमान है, जिसके लिए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही चंबा, लाहौल-स्पीति और किन्नौर के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। कांगड़ा, मंडी, शिमला और कुल्लू जैसे मध्य पहाड़ी जिलों में भी एक-दो स्थानों पर फुहारें पड़ने या हल्का हिमपात होने की उम्मीद है। मैदानी क्षेत्रों, विशेषकर भाखड़ा बांध के समीपवर्ती इलाकों और मंडी की बल्ह घाटी में 25 दिसंबर तक सुबह और देर रात के समय घना कोहरा छाए रहने की भविष्यवाणी की गई है, जो यातायात के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो लाहौल-स्पीति का कुकुमसेरी प्रदेश में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे -2.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ताबो में पारा 1.1 डिग्री रहा, जबकि कल्पा में 3.4 और सोलन में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो ऊंचाई के हिसाब से अन्य क्षेत्रों की तुलना में थोड़ा अधिक है। सुंदरनगर, ऊना, नाहन और हमीरपुर जैसे इलाकों में भी न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री के बीच बना हुआ है। आगामी 3 से 4 दिनों में राज्य भर के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट आने की संभावना है।

दिन के तापमान की बात करें तो सोलन में अधिकतम पारा 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सर्वाधिक रहा। शिमला में अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री, जबकि मनाली में 15.2 और कुफरी में 14.1 डिग्री सेल्सियस रहा। जनजातीय क्षेत्रों जैसे ताबो और कुकुमसेरी में दिन का तापमान भी 11 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 27 दिसंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यतः साफ रहेगा, लेकिन इस दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी रहने से सुबह और शाम की ठंड और अधिक कष्टदायक हो सकती है। ऊंची पहाड़ियों पर तापमान गिरने से प्राकृतिक जल स्रोतों के जमने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

मुंबई जा रहा एयर इंडिया के विमान में आई तकनीकी गड़बड़ी, वापस दिल्ली की लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रही एयर इंडिया की उड़ान में तकनीकी समस्या आने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान ने सोमवार को दिल्ली से टेक-ऑफ किया था, लेकिन कुछ ही देर बाद तकनीकी गड़बड़ी के संकेत मिलने पर फ्लाइट क्रू ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत एहतियातन वापस लौटने का फैसला लिया। जानकारी के मुताबिक विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया और सभी यात्री व क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकाले गए। यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए एयर इंडिया ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह अप्रत्याशित थी, लेकिन यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विमान की वापस लैंडिंग के बाद तकनीकी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इंजीनियरिंग टीम विमान का निरीक्षण में जुट गई है। विमान की लैंडिंग के बाद ग्राउंड स्टाफ ने दिल्ली में यात्रियों को तत्काल मदद पहुंचाई। साथ ही, यात्रियों को मुंबई भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई है। विमान की लैंडिंग को लेकर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत 22 दिसंबर को दिल्ली से मुंबई जाने वाली फ्लाइट एई887 के क्रू ने तकनीकी गड़बड़ी के कारण टेक-ऑफ के तुरंत बाद दिल्ली लौटने का फैसला किया। दिल्ली में विमान सुरक्षित लैंड कर गया है। साथ ही यात्रियों और क्रू को विमान से उतार लिया गया। प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण हुई असुविधा के लिए माफी मांगती है। विमान की जरूरी जांच की जा रही है। दिल्ली में हमारी ग्राउंड टीम यात्रियों को तुरंत मदद दे रही है और उन्हें जल्द ही उनके डेस्टिनेशन तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए गए हैं। एयर इंडिया में हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

मनरेगा के मुद्दे पर हमलावर अखिलेश यादव... केंद्र सरकार ने करोड़ों जाब कोर्ड को रद्द किया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव द्वारा मनरेगा के मुद्दे पर केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर हमला किया है। उनके आरोपों का मुख्य केंद्र करोड़ों जॉब कार्डों का रद्द होना और केंद्र द्वारा पेश किए गए नए वित्तीय बदलाव हैं।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि कई राज्यों में लाखों मनरेगा कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। उनके अनुसार, यह सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता को दिखाता है। उनके द्वारा दिए गए आंकड़े इस प्रकार हैं- बिहार 1.04 करोड़, उत्तर प्रदेश 90.4 लाख, ओडिशा 41.6 लाख, मध्य प्रदेश 32.7 लाख, पश्चिम बंगाल 24.2 लाख, राजस्थान 10.5 लाख मनरेगा कार्ड रदद कर दिए गए है।

हाल ही में सदन में पास हुए बिल वीबी-जी राम जी विधेयक की कड़ी आलोचना करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच 60-40 का प्रस्तावित बंटवारा राज्य सरकारों पर भारी वित्तीय बोझ डालेगा। उनका मानना है कि इस बदलाव से केंद्र और राज्यों के बीच विवाद बढ़ेगा और फंड मिलने में देरी होगी, जिससे अंततः गरीब मजदूरों को नुकसान होगा। सपा प्रमुख ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा के शासन में सकारात्मक चीजें (जैसे रोजगार और योजना का लाभ) घट रही हैं, जबकि नकारात्मक चीजें (महंगाई, भ्रष्टाचार और नफरत) बेलगाम बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश जैसी सरकारें अपने आंकड़ों में हेराफेरी कर रही हैं ताकि अपनी विफलताओं को छिपा सकें। यह विवाद मुख्य रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ मनरेगा के भविष्य और उसकी फंडिंग को लेकर है। विपक्ष इसे गरीबों के अधिकारों पर हमला बता रहा है, जबकि प्रशासनिक दृष्टिकोण से अक्सर डुप्लीकेट कार्डों या आधार लिंकिंग न होने के कारण कार्ड रद्द किए जाते हैं।

पश्चिम बंगाल की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी हुमायूं कबीर की पार्टी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एक नया राजनीतिक तूफान आने वाला है। बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले पूर्व विधायक हुमायूं कबीर नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करने जा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने 4 दिसंबर को उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। कबीर ने स्पष्ट किया कि उनकी नई पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव में राज्य की 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जरूरत पड़ने पर वे पूरे राज्य की सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार उतार सकते हैं।

कबीर ने कहा कि उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह टेबल, गुलाब या नारियल का पेड़ में से कोई एक हो सकता है। उन्होंने बताया कि टेबल उनकी पहली पसंद है, लेकिन अंतिम फैसला चुनाव आयोग पर निर्भर करेगा। पार्टी का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन कबीर ने जोर देकर कहा कि इसमें कांग्रेस या तृणमूल जैसे शब्द नहीं होंगे। उन्होंने कहा, पार्टी का नाम जो भी हो, बंगाल की जनता खुद को उससे जोड़कर देख सकेगी। हमारी पार्टी जनता का प्रतिनिधित्व करेगी और सिर्फ विकास की बात करेगी। कबीर ने अपनी रणनीति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले की 30 विधानसभा सीटों पर विशेष फोकस किया है। उन्होंने कहा कि वे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ तीन सीटें, भारतीय सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के साथ एक सीट और अधीर रंजन चौधरी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के साथ नौ सीटें साझा करने का प्रस्ताव रखेंगे। अगर ये दल सहमत नहीं हुए तो उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी और मुर्शिदाबाद की सभी 30 सीटें जीतने का दावा किया।

उन्होंने कहा, हम मुर्शिदाबाद के लिए नया इतिहास रचेंगे, जहां 2026 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस का सफाया हो जाएगा। रविवार को उन्होंने घोषणा की कि 22 दिसंबर को नई पार्टी का औपचारिक ऐलान होगा। उसी दिन 75 सदस्यों वाली राज्य समिति की घोषणा की जाएगी, जिसमें मुर्शिदाबाद जिला अध्यक्ष भी शामिल होंगे। इसके बाद वे गठबंधन की संभावनाओं पर फैसला लेंगे। कबीर ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में अगली सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। वे दावा करते हैं कि उनकी पार्टी बंगाल की जनता के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है और विकास, एकता तथा सामाजिक न्याय पर आधारित एजेंडा लेकर आगे बढ़ेगी। यह नई पार्टी का उदय पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बना सकता है, खासकर 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले।

आरएसएस भाजपा की राजनीतिक ढाल, आप सांसद संजय सिंह का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने भाजपा और आरएसएस के बीच के वैचारिक और संगठनात्मक संबंधों पर एक तीखा हमला किया है। आप सांसद ने आरएसएस की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर इस भाजपा की राजनीतिक ढाल करार दिया है। आप सांसद सिंह का तर्क है कि दोनों संगठन एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा के सदस्य गर्व से खुद को स्वयंसेवक बताते हैं और आरएसएस ने ही भाजपा की नींव रखी है। उनका आरोप है कि भाजपा द्वारा विपक्षी पार्टियों को तोड़ने, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर मुद्दों पर संघ ने हमेशा चुप्पी साधी रखी है। आप नेता के अनुसार, आरएसएस केवल एक सांस्कृतिक संगठन नहीं है, बल्कि वह जमीन पर भाजपा के लिए चुनावी मशीनरी की तरह काम करता है। इसके विपरीत, मोहन भागवत ने कोलकाता में संघ की एक स्वतंत्र पहचान पर जोर दिया। भागवत का कहना है कि संघ को भाजपा के चश्मे से देखना एक बड़ी गलती है। उनके अनुसार, आरएसएस को अन्य राजनीतिक या सेवा संगठनों के साथ तुलना करके नहीं समझा जा सकता। इसकी कार्यप्रणाली और उद्देश्य राजनीति से परे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग संघ को केवल भाजपा का विस्तार मानते हैं, वे संगठन की व्यापकता और उसके 100 साल के इतिहास को समझने में विफल रहे हैं। यह वाकयुद्ध तब समय में हो रहा है जब विपक्ष लगातार यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहा है कि संवैधानिक संस्थाओं और सांस्कृतिक संगठनों पर एक विशेष विचारधारा का प्रभुत्व बढ़ रहा है।

भागवत के बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश का पलटवार... गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और महासचिव जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान की निंदा की, जिसमें उन्होंने आरएसएस के गठन के कारण और सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा दिए गए निर्देशों पर सवाल उठाया था। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। देश के पहले गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था? आप एक गुप्त संगठन हैं। एक संस्था बनिए। पारदर्शिता लाइए। गुप्त रूप से काम मत कीजिए। यह सरदार पटेल का आरएसएस को लिखा पत्र है।

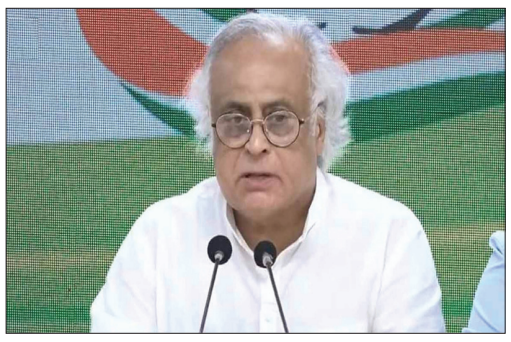

कांग्रेस नेता रमेश ने आरएसएस की इस बात पर आलोचना की कि संगठन ने 50 वर्षों से अधिक समय तक अपने नागपुर मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया, ध्वज संहिता में बदलाव के बाद ही 2002 में फिर से शुरू किया। इसके अलावा, रमेश ने संघ की विचारधारा पर सवाल उठाकर 26 नवंबर, 1949 को भारत के संविधान को अपनाने के कुछ दिनों बाद रामलीला मैदान में अंबेडकर, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के पुतले जलाने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने पूछा, किस विचारधारा ने ऐसा माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई?

उन्होंने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद और कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश का जिक्र किया, जिनसे जब पूछा गया कि गांधी या गोडसे? तब उन्होंने कहा, मुझे सोचना पड़ेगा, फिर भी उन्हें टिकट मिला और जिताया गया। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोग राष्ट्रवाद के प्रमाण पत्र बांटने में व्यस्त हैं। उनकी ये टिप्पणियां आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान के बाद आईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि आरएसएस एक कट्टर राष्ट्रवादी संगठन है।

कोलकाता में आरएसएस 100 व्याख्यान माला कार्यक्रम को संबोधित कर संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ हमेशा से यह तर्क देता आया है कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है, क्योंकि यहां की संस्कृति और बहुसंख्यक लोगों का हिंदू धर्म से जुड़ाव है। हालांकि, धर्मनिरपेक्ष शब्द मूल रूप से संविधान की प्रस्तावना का हिस्सा नहीं था, लेकिन इस तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल के दौरान संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा समाजवादी शब्द के साथ जोड़ा गया था।

जांच हुई तेज- मुख्यमंत्री नीतीश को धमकी देने वाला पाकिस्तानी गैंगस्टर भट्टी पुलिस की रडार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सोशल मीडिया के जरिए धमकी देने वाले पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के खिलाफ पटना पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। एक मिनट का वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री को सीधे तौर पर धमकाने वाले इस गैंगस्टर की तलाश के लिए पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शहजाद भट्टी वर्तमान में कहां छिपा है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उसकी सक्रियता का क्या स्वरूप है।

इस गंभीर मामले की जांच के लिए पटना पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी को आधिकारिक ई-मेल भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी है। पुलिस ने विशेष रूप से यह पूछा है कि गैंगस्टर ने यह विवादित वीडियो पाकिस्तान के किस शहर या स्थान से अपलोड किया था। सोशल मीडिया कंपनियों से उस अकाउंट का आईपी एड्रेस और लॉगिन हिस्ट्री भी मांगी गई है, ताकि उसकी सटीक लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर थाने में इस संबंध में पहले ही प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और पुलिस को अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जवाब का इंतजार है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी कमान पटना के आईजी जितेंद्र राणा खुद संभाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जैसे ही तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त होगी, जांच के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। यह पूरा विवाद हाल ही में मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम से शुरू हुआ, जहां आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे थे। इस कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जिसमें एक महिला चिकित्सक नुसरत परवीन के हिजाब को लेकर मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया था। इसी घटना को आधार बनाकर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने वीडियो संदेश जारी किया। उसने मुख्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की धमकी देते हुए कहा कि एक उच्च पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा महिला के साथ ऐसा व्यवहार करना निंदनीय है। गैंगस्टर ने अपने संदेश में चेतावनी दी थी कि यदि मुख्यमंत्री ने माफी नहीं मांगी, तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। फिलहाल पुलिस इस अंतरराष्ट्रीय धमकी के पीछे के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

हसीना बोलीं- यूनुस ने हिंसा की आग में झौंक दिया बांग्लादेश, ऐसे तो नामोनिशान मिट जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के बाद सड़कों पर शांति भले ही लौटती दिख रही हो, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कड़वाहट और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की वर्तमान अंतरिम सरकार और उसके मुखिया मोहम्मद यूनुस पर सीधा प्रहार किया है। भारत में प्रवास के दौरान दिए गए अपने एक विस्तृत साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि बांग्लादेश में व्याप्त अराजकता और अस्थिरता के लिए पूरी तरह से मोहम्मद यूनुस जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी सरकार को गिराने के लिए जिस कानूनहीनता का सहारा लिया गया था, वह अब यूनुस प्रशासन के तहत कई गुना बढ़ चुकी है।

भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए शेख हसीना ने कहा कि रिश्तों में आई यह खटास वर्तमान अंतरिम सरकार की नीतियों का परिणाम है। उनके अनुसार, यूनुस प्रशासन लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है और देश के भीतर धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने चरमपंथी तत्वों को विदेश नीति तय करने की खुली छूट दे दी है, जिससे पड़ोसी देशों के साथ दशकों पुराने भरोसेमंद रिश्तों पर बुरा असर पड़ा है। अवामी लीग की नेता ने हाल ही में एक हिंदू युवक की नृशंस हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा देश की सांप्रदायिक सद्भावना को नष्ट कर रही है।

शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे पुराना और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच के ऐतिहासिक संबंध किसी भी अस्थायी सरकार के कार्यकाल से कहीं अधिक मजबूत और गहरे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब बांग्लादेश में पुनः कानून का राज स्थापित होगा, तब दोनों देश एक बार फिर उसी समझदारी और सहयोग की ओर लौटेंगे, जिसे उनकी सरकार ने पिछले 15 वर्षों में सींचा था। अपने विरुद्ध चल रहे कानूनी मुकदमों और ट्रिब्यूनल के फैसलों पर उन्होंने कहा कि ये तमाम कार्रवाइयां न्याय के लिए नहीं, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से समाप्त करने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें अपना पक्ष रखने या अपनी पसंद का वकील चुनने का उचित अवसर तक नहीं दिया गया।

आगामी चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए शेख हसीना ने चेतावनी दी कि अवामी लीग की भागीदारी के बिना होने वाला कोई भी चुनाव लोकतांत्रिक निर्वाचन नहीं, बल्कि केवल एक ताजपोशी बनकर रह जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को जनता ने नौ बार जनादेश दिया है, उसे प्रतिबंधित करने की कोशिश लाखों नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने जैसा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि मतदाताओं को उनकी पसंदीदा पार्टी को वोट देने का मौका नहीं मिला, तो वे चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करेंगे, जिससे नई सरकार की नैतिक वैधता समाप्त हो जाएगी।

अंत में, अपने प्रत्यर्पण की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इसे दिशाहीन प्रशासन की हताशा बताया। शेख हसीना ने कठिन समय में शरण और सम्मान देने के लिए भारत सरकार और वहां के सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपना देश केवल इसलिए छोड़ा ताकि और अधिक निर्दोष लोगों का खून न बहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह न्याय का सामना करने से नहीं डरतीं और उचित समय आने पर वे देश की लोकतांत्रिक बहाली के लिए अपनी भूमिका निभाएंगी।